प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-146 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 22 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

आस्था के रंग में सजा गिरिराज धाम, स्वागत को तैयार मेला

बुधवार को सतरंगी बिजली की रोशनी से झिलमिलाता गोवर्धन का दानघाटी मंदिर।

रंगीन सजावट, रोशनी से खिलेगा और भजनों से गूंजेगा परिक्रमा मार्ग

भंडारे, जल सेवा और श्रद्धालुओं की सुविधा को हुई व्यापक तैयारियां

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन में 23 जुलाई से शुरू होने वाले विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेले को लेकर गिरिराजजी का धाम सजकर तैयार है। 29 जुलाई तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु गिरिराज महाराज की सप्त कोसीय परिक्रमा करेंगे। श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए पूरे परिक्रमा मार्ग को रंग-बिरंगी सजावट, आकर्षक विद्युत रोशनी और धार्मिक वातावरण से सजाया- संवारा गया है। दानघाटी, मुखारविंद सहित प्रमुख मंदिरों को भव्य विद्युत सजावट से आलोकित किया गया है। सूर्यास्त के बाद इन मंदिरों की रंगीन रोशनी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनेगी। वहीं गोवर्धन, राधाकुंड के प्रमुख तिराहों-चौराहों को रंगीन कपड़ों और सजावटी सामग्री से सजाया गया है। परिक्रमा मार्ग पर बने जल मंदिर भी श्रद्धालुओं को राहत और आध्यात्मिक आनंद का अनुभव कराएंगे।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे परिक्रमा मार्ग पर लाउडस्पीकर लगाए गए हैं। इनसे आवश्यक सूचनाओं के साथ-साथ भगवान श्रीकृष्ण और गिरिराज महाराज के भजन प्रसारित किए जाएंगे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहेगा। इससे परिक्रमा करने वाले श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे रहेंगे और उनको थकान का अहसास भी नहीं होगा। यूनिक समय टीम ने बुधवार को गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का जायजा लिया तो जगह-जगह भंडारों और जल सेवा शिविरों की तैयारियां अंतिम चरण में दिखाई दीं। सामाजिक, धार्मिक और सेवा संगठनों के स्वयंसेवक-समाजसेवी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण, शीतल पेयजल, चिकित्सा सहायता और अन्य सेवाओं की व्यवस्था में जुटे हुए हैं। गिरिराज धाम में हर ओर सेवा, समर्पण और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिससे मुड़िया मेले की दिव्यता और भव्यता और अधिक बढ़ गई है।

श्रद्धालुओं की सुविधा को हर पग पर इंतजाम: डीएम

यूनिक समय, मथुरा। डीएम चंदप्रकाश सिंह ने बताया कि गोवर्धन के मुड़िया मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को भाव के साथ सुविधा देने को काम किया जाएगा, किसी को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाएगा, इसी सोच के साथ समूचे परिक्रमा मार्ग में व्यवस्था सहेजी गई हैं। कदम- कदम पर सुविधा और सुरक्षा का भाव बनाने का काम किया गया है।

छह एआरएम करेंगे 24 घंटे निगरानी

यूनिक समय, मथुरा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोडवेज ने तैयारियां की हैं। बस संचालन और यात्रियों की सुविधाओं पर चौबीसों घंटे नजर रखी जाएगी। एआरएम ने बताया कि मेले के दौरान छह एआरएम की ड्यूटी लगाई गई है, जो लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। अतिरिक्त कर्मचारियों को आवश्यकता पड़ने पर किसी भी रूट पर भेजने का इंतजाम है।

डीएम-एसएसपी ने पुलिस बल को पढ़ाया सुरक्षा का पाठ

मुड़िया पूर्णिमा मेले के शुभारंभ से पहले डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने राधेश्याम सेवा सदन में पुलिस अधिकारियों और जवानों की ब्रीफिंग करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा मेले के शुभारंभ से पहले डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने राधेश्याम सेवा सदन में पुलिस अधिकारियों और जवानों की ब्रीफिंग कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने सभी मेला स्थलों और सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग पर पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। साथ ही श्रद्धालुओं के साथ विनम्र और शालीन व्यवहार बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि पूरे परिक्रमा मार्ग पर 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे, लाउडस्पीकर और अनेक पुलिस सहायता केंद्र स्थापित किए गए हैं।

विभिन्न जिलों से अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है। एसएसपी ने कहा कि अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, जबकि डीएम ने ब्रज की 'अतिथि देवो भव' परंपरा के अनुरूप श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा और सुरक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस बार मेले में दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई जा रही है।

मुड़िया मेले में एक फायर स्टेशन, 31 बने फायर पॉइंट

यूनिक समय, मथुरा। मूड़िया मेले में अग्नि सुरक्षा को लेकर भी बड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। पूरे मेला क्षेत्र में 31 फायर पॉइंट बनाए गए हैं। एक स्थाई फायर स्टेशन भी बनाया गया है। बड़ी संख्या में फायर कर्मचारियों को तैनात किया गया है। सीएफओ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि मेले में आग की होने वाली घटनाओं के बचाव के लिए अग्निशमन विभाग ने पूरी तैयारियां की है। पूरे मेला क्षेत्र में 31 फॉयर पॉइंटस बनाए गए हैं। मेला स्थल के नजदीक एक स्थाई फायर स्टेशन बनाया गया है। सुरक्षा के लिए एक सीएफओ, 3 एसएसओ, 8 एसएसओ. 10 एलएफएम(मुख्य आरक्षी) के साथ 90 फायर मैन को तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही 15 छोटे बड़े फायर टेंडर और फायर बाइकों को तैनात किया गया है। फायर ब्रिगेड पूरी तरह से मेले की सुरक्षा में तैनात रहेगा।

अभिनेत्री अनुष्का के साथ विराट पहुंचे संत प्रेमानंद की शरण में

बारिश-कीचड़ के बीच नंगे पैर पहुंचे दंपति

संत प्रेमानंद के दर्शन करने को जाते क्रिकेटर विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा।

यूनिक समय, वृंदावन। बुधवार को क्रिकेटर विराट कोहली पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के साथ संत प्रेमानंद के दर्शन करने को यहां आए। दोनों ने चेहरों पर मास्क लगाए हुए था।

दोनों नंगे पांव यमुना किनारे यमुना विहार कुंज पहुंचे और संत प्रेमानंद का आशीर्वाद लिया। गौरतलब है कि वर्षा के कारण आश्रम मार्ग में कीचड़ थी। इससे बचने के लिए विराट कोहली पत्नी अनुष्का का हाथ थामकर नंगे पैर पैदल ही पहुंचे।

दोनों ने करीब एक घंटे तक आश्रम में समय बिताया। क्रिकेटर विराट कोहली के माथे पर चंदन का टीका और हाथ में प्रसाद देखा गया। इसके बाद दोनों ने लगभग 150 मीटर दूर स्थित गुरु हित गोविंद शरण के आश्रम में भी हाजिरी लगाई और वहां शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। जानकारों की मानें तो दोनों गुरु पूर्णिमा से पहले गुरु पूजन करने आए हैं।

संत प्रेमानंद के नए आश्रम यमुना विहार कुंज में 23 से 29 जुलाई तक गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जाएगा। इसमें अलग-अलग राज्यों के शिष्यों के लिए अलग-अलग दिन तय किया गया है। यहां 28 जुलाई तक संत दर्शन देंगे। 29 जुलाई को वह केली कुंज आश्रम जाएंगे। जहां वह दीक्षा ले चुके संतों को दर्शन देंगे।

हार के बाद वृंदावन आए विराट

यूनिक समय, वृंदावन। विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में मिली हार के बाद वृंदावन पहुंचे। इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में भारत को 2-1 से हराया था। सीरीज में विराट ने 48 के औसत से कुल 144 रन बनाए थे। लॉर्ड्स में खेले गए निर्णायक मुकाबले में विराट ने 74 रन की पारी खेली थी। इससे पहले, एजबस्टन में पहले वनडे में पांच और कार्डिफ में दूसरे वनडे में 65 रन बनाए थे।

श्रद्धा और संस्कार का प्रतीक बना सुरेश चंद्र अग्रवाल स्मृति द्वार

सुरेश अग्रवाल स्मृति द्वार का लोकार्पण करते नाभा पीठाधीश्वर सुतीक्ष्ण दास, महामंडलेश्वर रामस्वरूप ब्रह्मचारी, रजनी अग्रवाल, एमआर ग्रुप के चेयरमैन सुनील अग्रवाल, विहिप नेता कन्हैया लाल अग्रवाल।

संतों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ भव्य लोकार्पण

परिवार ने पिता की स्मृतियों को समाज के लिए किया समर्पित

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज के प्रतिष्ठित उद्योगपति-स्वीटी सुपारी के संस्थापक स्व. सुरेश चंद्र अग्रवाल की पुण्य स्मृति में मां पथवारी देवी मंदिर परिसर में निर्मित 'सुरेश अग्रवाल स्मृति द्वार' का भव्य लोकार्पण धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण के बीच हुआ। नाभा पीठाधीश्वर सुतीक्ष्ण दास, महामंडलेश्वर रामस्वरूप ब्रह्मचारी और एमआर ग्रुप की अध्यक्ष रजनी अग्रवाल ने संयुक्त रूप से स्मृति द्वार का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में सुरेश अग्रवाल मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल और डायरेक्टर लव कुमार अग्रवाल ने संत–महात्माओं और अतिथियों का दुशाला-पटका ओढ़ाकर सम्मान किया।

वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि–विधान के बीच संपन्न हुए समारोह ने श्रद्धा और भारतीय संस्कृति की गरिमा को नई ऊंचाई प्रदान की।

अपने आशीर्वचन में सुतीक्ष्ण दास ने कहा कि अपने पूर्वजों के आदर्शों और उनके योगदान को समाज के सामने जीवित रखना भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। उन्होंने कहा कि यह स्मृति द्वार केवल एक निर्माण नहीं, बल्कि माता–पिता के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और पारिवारिक संस्कारों का प्रेरक प्रतीक है, जिससे नई पीढ़ी को भी प्रेरणा मिलेगी।

समारोह में शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। इनमें प्रमोद गर्ग कसेरे, जयंती प्रसाद अग्रवाल, जीएलए विश्वविद्यालय के सीईओ नीरज अग्रवाल, बनवारी लाल अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, प्रेम सर्राफा, लव बंसल, नंदिनी अग्रवाल और विश्व हिंदू परिषद ब्रज प्रांत अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल सहित अनेक सामाजिक- धार्मिक हस्तियां मौजूद रहीं। आचार्य श्रीराम निहोर शास्त्री के निर्देशन और आचार्य राजेंद्र शास्त्री के सानिध्य में संपन्न यह आयोजन श्रद्धा, सेवा, संस्कार और सामाजिक समर्पण का प्रेरक उदाहरण बना।

गुरु पूर्णिमा पर 25 से 29 जुलाई तक गौरी गोपाल आश्रम में होगा संत सेवा व प्रसाद वितरण

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा पर "नर सेवा, नारायण सेवा और अन्नदान महादान" के अंतर्गत बुधवार को केशव देव बगीची में बैठक हुई। बैठक में प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव के भक्तों ने निर्णय लिया कि 25 से 29 जुलाई तक वृंदावन स्थित गौरी गोपाल आश्रम में सुबह आठ बजे से रात्रि के 12 बजे तक प्रसाद बांटा जाएगा। बैठक में सभी श्रद्धालुओं से कहा कि वे परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में आश्रम पहुंचकर प्रसाद वितरण सेवा में सहयोग करें, प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त करें। रोजाना सुबह 10:30 बजे से मंदिर प्रांगण में आगरा के भजन गायक मनमोहन सर्राफ द्वारा भजन–कीर्तन का आयोजन भी किया जाएगा। मीडिया प्रभारी नारायण शर्मा ने बताया कि इस सेवा कार्य का उद्देश्य गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संतों-श्रद्धालुओं की सेवा करना और अधिक से अधिक लोगों को अन्नदान महादान से जोड़ना है। बैठक में कन्हैया लाल (सुपारी वाले), सुरेश चंद्र अग्रवाल, महेश (प्रेस वाले), राजकुमार अग्रवाल और दीपक शर्मा सहित अन्य भक्तगण उपस्थित रहे।

हाईवे पर गिन्नी फैक्ट्री के पास गड्ढे में गिरी कार

टायर फटने पर कार ने लिए कई पलटे, सवारियों को आई हलकी चोटें

यूनिक समय, छाता, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर छाता क्षेत्र स्थित गिन्नी फैक्ट्री के समीप एक कार पानी से भरे गड्ढे में गिर गई। दुर्घटना में कार सवारों को हल्की चोटे आई, कार पूरी तरह से क्षतिग्रसत हो गई।

बताया गया कि गुड़गांवा से आगरा के लिए कार से जाता एक परिवार के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गिन्नी फैक्ट्री के समीप एक बड़ा हादसा हो गया। आज प्रातः सड़क किनारे बने गड्ढे में कार का पहिया जाने के बाद कार का टायर फट गया। इसके बाद कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में कई पलटे ले गई। गनीमत रही कि कार सवारों को कोई गंभीर चोट नहीं आई। कार सवारों को मौके पर पहुंचे लोगों ने सुरक्षित निकाल लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस जगह आबादी से आने वाली नालियों का पानी भरने से गड्ढा हो गया है। बारिश के दौरान यहां से गुजरने वाले वाहन का चालक समझता है कि बारिश का पानी भरा होगा, लेकिन गड्ढा काफी गहरा होने के कारण यहां पहले भी इस तरह की कई घटनाए हो चुकी हैं।

मंदिर के पुजारी पर पॉस्को में दर्ज हुआ मुकदमा

यूनिक समय, फरह। थाना क्षेत्र के मंदिर के पुजारी पर पॉस्को अधिनियम में मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक गांव निवासी किशोरी गांव के स्कूल में पढ़ती है। आरोप है कि 18 जुलाई को स्कूल के पास स्थित मंदिर के पुजारी ने उसे बुलाया। 10 रुपये देकर सामान लाने को कहा। आरोप है कि पुजारी ने इस दौरान किशोरी से अश्लील हरकत कर दी। यह बात किशोरी ने घर जाकर परिजनों को बताई। पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज करने को प्रार्थना पत्र दिया। प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, जांच की जा रही है।

गोवर्धन पुलिस को मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना क्षेत्र में बिछुआ कुंड के सामने पुलिस को एक अज्ञात व्यक्ति को शव मिला है। जिसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई गई है, जिसका एक दाहिना हाथ कटा हुआ था।

बांके बिहारी मंदिर बंदरों के शिकंजे में, श्रद्धालु बेहाल

आए दिन कर रहे छिनैती बंदरों की बढ़ती आबादी अब बन रही चिंता

यूनिक समय, वृंदावन। प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। यह समस्या श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों दोनों के लिए चिंता बन गई है।

मंदिर के आसपास रहने वाले बंदर अक्सर लोगों के हाथ से मोबाइल फोन, चश्मा, पर्स, प्रसाद और अन्य सामान छीनकर भाग जाते हैं। सबसे अधिक घटनाएं मोबाइल फोन छीनने की सामने आ रही हैं। बंदर ऊंची इमारतों या पेड़ों पर चढ़ जाते हैं और फोन वापस पाने के लिए लोग उन्हें खाने–पीने की चीजें देने को मजबूर हो जाते हैं। कई बार फोन गिरने से टूट जाता है या हमेशा के लिए खो जाता है। इससे श्रद्धालुओं को आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ती है।

स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि बंदरों की यह आदत अब आम हो गई है। कुछ लोग पर्यटकों को पहले से ही मोबाइल और अन्य कीमती सामान संभालकर रखने की सलाह देते हैं। इसके बावजूद प्रतिदिन कई लोग बंदरों का शिकार बन रहे हैं। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए यह समस्या और भी गंभीर है, क्योंकि बंदर कई बार हमला करने की कोशिश भी करते हैं।

इस समस्या के समाधान के लिए प्रशासन और वन विभाग को मिलकर प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। मंदिर परिसर में प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती, बंदरों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने की योजना, जागरूकता अभियान और श्रद्धालुओं के लिए चेतावनी बोर्ड लगाए जाने चाहिए। लोगों को भी बंदरों को खाना खिलाने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे उनका व्यवहार और अधिक आक्रामक हो जाता है।

ब्रज संगीत विद्यापीठ देगी सांस्कृतिक गतिविधियों को नई दिशा

ब्रज संगीत विद्यापीठ की कार्य समिति की बैठक करते हुए विद्यापीठ के कुलपति–अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल, साथ में समिति के पदाधिकारी

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज संगीत विद्यापीठ की कार्य समिति की बैठक ब्रजधाम स्थित मीटिंग हॉल में हुई। अध्यक्षता विद्यापीठ के कुलपति-अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल ने की। शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। सचिव राजरानी अग्रवाल ने पिछली बैठक की कार्रवाई पढ़ी। बैठक में डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल ने बताया कि ध्रुपद–धमार, मंदिर संगीत, रासलीला संगीत जैसी दुर्लभ होती जा रही विधाओं के संरक्षण, संवर्धन, प्रशिक्षण और प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से ब्रज संगीत विद्यापीठ की स्थापना की गई। देशभर में इसके परीक्षा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि संस्था की गतिविधियों से प्रभावित होकर मोतीलाल शोरावाला चैरिटेबल ट्रस्ट ने लगभग एक एकड़ भूमि दान की थी। बैठक में विद्यापीठ के पंजीकरण के नवीनीकरण की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराने का निर्णय लिया गया। वर्षभर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का बजट भी पारित किया गया। तय हुआ कि बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम ब्रज कला केंद्र, मसानी में आयोजित होंगे, जबकि छोटे कार्यक्रम गांधी पार्क हॉल अथवा ब्रजधाम के प्रदर्शनी कक्ष में किए जाएंगे। बैठक में राजरानी अग्रवाल,दीपक गोयल, वीरेंद्र गोयल, विष्णु प्रकाश गोयल, विजय कुमार अग्रवाल, डॉ. डीडी गर्ग, विकास गोयल, मुकेश सर्राफ, शालिनी शर्मा, उमा शर्मा, डॉ. वर्तिका किशोर, सुनीता अग्रवाल, रितिका गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जिले के नौ निजी अस्पतालों को नोटिस

फायर एनओसी, प्रदूषण अनुमति, स्टाफ और साफ–सफाई की हो रही जांच

बिना पंजीकरण अस्पताल संचालन पर भी होगी सख्त कार्रवाई

यूनिक समय,मथुरा। मरीजों की सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दिलाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिले में चल रहे निजी अस्पताल की जांच शुरू कर दी है। अभी जिले में निजी अस्पताल 377 पंजीकृत हुए है। जांच के दौरान नौ अस्पतालों में कमियां मिलने पर नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग ने साफ कर दिया है कि बिना पंजीकरण अस्पताल चलाने वालों को भी बख्शा नहीं जाएगा।

निजी अस्पतालों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जांच अभियान शुरू किया है। जांच के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम फायर एनओसी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति, बायो मेडिकल वेस्ट (बीएमडब्ल्यू) सर्टिफिकेट, बेसमेंट के उपयोग, डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता, साफ–सफाई, मरीजों की सुरक्षा व्यवस्था और अन्य जरूरी मानकों का निरीक्षण कर रही है। जिन अस्पतालों में नियमों का पालन नहीं हो रहा है, उन्हें नोटिस देकर आवश्यक सुधार करने के लिए कहा जा रहा है।

नोडल अधिकारी डॉ. अनुज चौधरी ने बताया कि जांच अभियान लगातार चल रहा है, सभी पंजीकृत निजी अस्पतालों को शासन द्वारा निर्धारित मानकों का पालन करना अनिवार्य है। जिन अस्पतालों को नोटिस जारी किए गए हैं, उन्हें तय समय के भीतर सभी कमियां दूर करनी होंगी। यदि निर्धारित समय में सुधार नहीं किया गया तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि विभाग की नजर उन अस्पतालों पर भी है, जो बिना पंजीकरण के संचालित हो रहे हैं। ऐसे अस्पतालों की लगातार जानकारी जुटाई जा रही है। शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कराई जाएगी। यदि कोई अस्पताल बिना पंजीकरण के संचालित मिलता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ओवरलोड वाहन बने जानलेवा

कोसीकलां से छत पर सवारियां बिठाकर दौड़ रहा टेंपो

मेले से पहले बढ़ी हादसों की आशंका

टेंपो की छत पर सवार यात्री।

यूनिक समय, कोसीकलां। मुड़िया मेले से पहले ब्रज क्षेत्र में श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही के बीच क्षमता से अधिक सवारियां ढो रहे ऑटो यात्रियों की जान पर भारी पड़ रहे हैं। कोसी–बठैन रोड, शेरगढ़ रोड, नंदगांव रोड और कोसी–शाहपुर मार्ग पर बड़ी संख्या में ऑटो निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक यात्रियों को बैठाकर दौड़ रहे हैं। कई वाहनों में यात्री दरवाजों पर लटककर और पीछे खड़े होकर सफर करने को मजबूर हैं, जिससे हर समय हादसे का खतरा बना हुआ है।

बरसाना, गोवर्धन और शनिदेव मंदिर जाने वाले हजारों श्रद्धालु सप्ताहांत और मुड़िया मेले के दौरान नगर से गुजरते हैं। सार्वजनिक परिवहन की बेहतर व्यवस्था नहीं होने से श्रद्धालु और ग्रामीण मजबूरी में ओवरलोड ऑटो का सहारा ले रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूल जाने वाले बच्चे, महिलाएं और ग्रामीण भी रोजाना ऐसे ही वाहनों में जोखिम उठाकर सफर करते हैं। इसके बावजूद कई चालक तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं।

लोगों का आरोप है कि परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की नियमित निगरानी के अभाव में क्षमता से अधिक सवारियां ढोने का सिलसिला बेखौफ जारी है। प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्ती से निपटा जाएगा।

श्रद्धालुओं से भरा टेंपो पलटा, छह घायल

गोकुल से लौटते वाहन को बचाने की वजह से हुई दुर्घटना

यूनिक समय,मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र स्थित मथुरा–आगरा मार्ग पर तहसील के समीप गोकुल से दर्शन करके आ रहे श्रद्धालुओं का टेंपो सामने आते वाहन को बचाने के चक्कर में पलट गया। दुर्घटना में आधा दर्जन श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु मथुरा– वृंदावन दर्शन करने के लिए दो दिन पूर्व मथुरा आए थे। बताया गया कि कल सभी श्रद्धालु एक टेंपो से गोकुल, रमणरेती आदि के दर्शन करने के बाद मथुरा लौट रहे थे।

चालक टेंपो को तेज रफ्तार से चला रहा था। मथुरा–आगरा मार्ग पर टेंपो सदर तहसील के समीप सामने से आते किसी वाहन को बचाने के प्रयास में पलट गया।

टेंपो को पलटते देख लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर वाहन में फंसे घायलों को निकाला। इसके साथ ही एंबुलेंस को बुलाया। दुर्घटना में घायल हुए श्रद्धालुओं में मधु, शंकर, प्रतीक, रेशमा मेधा और रितु निवासी बिलासपुर, छत्तीस गढ़ हैं। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना का पता लगने पर सदर बाजार पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

तीसरे दिन भी पुलिस निगरानी में रहे भाकियू चढ़ूनी के पदाधिकारी

पुलिस निगरानी में भाकियू चढ़नी के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। भारत–अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में दिल्ली के किसान घाट पर प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के पदाधिकारी तीसरे दिन भी पुलिस निगरानी में रहे। संगठन के अनुसार, उन्हें सोमवार से हाउस अरेस्ट किया गया है।

प्रदेश प्रवक्ता-आगरा मंडल अध्यक्ष रामवीर सिंह तोमर ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए कहा कि किसानों की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। जिला उपाध्यक्ष जयपाल सिंह चौधरी, मंडल सलाहकार श्यामपाल सिंह और गोवर्धन ब्लॉक अध्यक्ष तुलसीदास ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना किसानों का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने मांग की कि कृषि, दुग्ध और डेयरी उत्पादों को भारत–अमेरिका ट्रेड डील के दायरे से बाहर रखा जाए। संगठन ने जंतर–मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई की भी आलोचना करते हुए कहा कि किसानों के हितों की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। किशन सिंह मुखिया, सौरभ रावत, तेजू यादव, मानवेंद्र सिंह, ओमवीर सिह चौधरी, नवल सिंह आदि ने सरकार की कार्रवाई को किसान, नौजवान, छात्र विरोधी बताया।

बहन के घर से लौटते बाइक सवार की दुर्घटना में मौत

यूनिक समय,मथुरा। मथुरा– हाथरस मार्ग पर मुरसान के समीप कल सायं बहन के घर से मिलकर लौटते बाइक सवार युवक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर घायल हुए युवक को पुलिस और स्थानीय लोगों ने पीएचसी मुरसान पर भर्ती करा दिया था। चिंताजनक हालत होने पर उसे मथुरा के जिला अस्पताल लाया गया, अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

थाना बल्देव के गांव कमौरा निवासी दिनेश अपनी बहन के घर कटैलिया गया था। वह कल सायं को बहन के घर से बाइक से लौट रहा था। मथुरा-हाथरस मार्ग पर मुरसान के समीप दिनेश की बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर घायल होने पर युवक को मुरसान सीएचसी पर भर्ती कराया गया। दुर्घटना के बारे में दिनेश के परिवार के लोगों को पता लगा तो वे भी तुरंत मुरसान पीएचसी पर पहुंच गए। दिनेश की चिंताजनक हालत होने पर उसे मथुरा के जिला अस्पताल लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रिवर फ्रंट पर सुप्रीम कोर्ट का कदम स्वागत योग्य

यूनिक समय, वृंदावन। सामाजिक कार्यकर्ता मधु मंगल शुक्ला ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा वृंदावन में बन रहे रिवर फ्रंट को लेकर दिए गए स्थगन को स्वागत योग्य कदम बताया। कहा कि यह वृंदावन प्रेमियों की जीत है। वृंदावन तीर्थ स्थल है। टूरिस्ट पैलेस भूमाफियाओं द्वारा और प्रशासनिक अधिकारियों की मिली भगत से बनाया जा रहा है, जो कि अनुचित है। विकास ही करना है तो वृंदावन के पंचकोसीय परिक्रमा मार्ग के बाहर कीजिए।

यमुना में डूबते युवक को गोताखोरों ने बचाया

हॉस्पिटल में चल रहा है इलाज, नहीं हुई पहचान

यूनिक समय, मथुरा। महावन के ठकुरानी घाट पर एक युवक ने यमुना में छलांग लगा दी। पानी के तेज बहाव में युवक डूबने लगा। घाट पर मौजूद गोताखोरों ने यमुना में कूद कर किसी तरह युवक को बचा लिया।

महावन के ठकुरानी घाट पर मंगलवार सायं को एक युवक ने यमुना के पानी में छलांग लगा दी। युवक जब गहरे पानी में तेज बहाव में डूबने लगा। घाट पर मौजूद गोताखोर रोहित कुमार ने युवक को डूबता देखा तो तुरंत अपनी टीम के साथ उसे बचाने के लिए पानी में छलांग लगा दी। टीम ने काफी मशक्कत के बाद डूबते युवक को पानी से बाहर निकाल लिया, लेकिन उस समय तक युवक के पेट में काफी पानी भर गया।

टीम ने पहले युवक के पेट में भरे पानी को निकाला। इसके बाद उसे हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया। बताया गया कि युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। हॉस्पिटल में उसका इलाज चल रहा है।

खाद लेने गए युवक से नामजदों ने मारपीट की, मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना राया क्षेत्र के अंतर्गत भूड़ासानी सोसायटी पर खाद लेने गए युवक के साथ नामजदों ने मारपीट कर दी। तहरीर पर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। गांव भंकरपुर बसैला निवासी यशपाल गत 17 जुलाई को भूड़ासानी सोसायटी पर खाद लेने गया था वहां पर मामूली बात को लेकर हुई कहासुनी के बाद गांव के ही मनवीर , सतवीर , तेजवीर , धर्मेंद्र , अनुज , ज्वाला , मंगल , पतिराम , मथुरा , पवन निवासी गांव भंकरपुर बसैला ने एक राय होकर लाठी डंडों व धारदार हथियारों से मारपीट कर दी जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

होटल कारोबारियों और प्रशासन के बीच संवाद, नियमों में राहत का भरोसा

बुके देकर नगर मजिस्ट्रेट का स्वागत करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल और मथुरा-वृंदावन होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में होटल, गेस्ट हाउस एवं रेस्टोरेंट संचालकों की समस्याओं को लेकर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। बीएसए इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज के सभागार में हुए कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने व्यापारियों की समस्याएं सुनीं और नियमों के सरलीकरण के साथ किसी भी प्रकार के उत्पीड़न से बचाने का आश्वासन दिया।

बैठक की अध्यक्षता मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के सचिव आशीष कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य व्यापारियों का उत्पीड़न करना नहीं, बल्कि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराना है। संचालकों को आवश्यक कमियां दूर करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा। नगर मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र ने कहा कि सभी विभागों के समन्वय से व्यापारियों को राहत देने का प्रयास किया जा रहा है। छोटे होम-स्टे और गेस्ट हाउसों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया भी सरल बनाई गई है।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने अग्नि सुरक्षा मानकों की जानकारी देते हुए कहा कि विभाग व्यवसायियों के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर है। वहीं नगर निगम और पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने भी विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी।

व्यापार मंडल अध्यक्ष सुनील अग्रवाल और एसोसिएशन अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने नियमों में व्यावहारिक सरलीकरण तथा कार्रवाई से पहले पर्याप्त समय देने की मांग उठाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में होटल, गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंट संचालकों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।

जिला अस्पताल में दांतों के इलाज को मरीजों का बढ़ रहा है भरोसा

रोज 40 से 60 मरीज पहुंच रहे, आरसीटी, फिलिंग और दांत निकालने की मिल रही सुविधा

जिला अस्पताल में मरीज के दांत की आरसीटी करते दंत रोग विशेषज्ञ डॉ.मनोज कुमार ।

यूनिक समय, मथुरा। महर्षि दयानंद जिला अस्पताल में दांतों का इलाज कराने के लिए मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हर रोज करीब 40 से 60 मरीज दंत रोग विभाग की ओपीडी में इलाज कराने पहुंच रहे हैं। इनमें शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी इसका फायदा उठा रहे हैं। अच्छा और फ्री इलाज के लिए लोगों को सरकारी अस्पताल पर भरोसा बढ़ रहा है।

जिला अस्पताल के दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि अस्पताल में आने वाले सभी मरीजों का सही तरीके से इलाज किया जाता है। पहले ज्यादातर लोग निजी क्लीनिकों में जाते थे, लेकिन अब गांवों से भी बड़ी संख्या में मरीज जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि दंत रोग विभाग में दांतों की जांच के साथ-साथ रूट कैनाल ट्रीटमेंट (आरसीटी), दांतों की सफाई, फिलिंग, खराब दांत निकालने और दांतों से जुड़े छोटे ऑपरेशन की सुविधा भी है। डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि दांतों में दर्द, कीड़ा लगना, मसूड़ों से खून आना या सूजन जैसी परेशानी होने पर लापरवाही नहीं करनी चाहिए। समय पर इलाज कराने से दांतों को बचाया जा सकता है और बड़ी समस्या से भी बचाव होता है। उन्होंने लोगों को दिन में दो बार ब्रश करने, ज्यादा मीठा खाने से बचने और समय-समय पर दांतों की जांच कराने की सलाह दी जाती है।

कांग्रेस नेता दीपक पाराशर हाउस अरेस्ट

कांग्रेस नेता दीपक पाराशर के घर पहुंची पुलिस।

यूनिक समय, वृंदावन। कांग्रेस के सोशल आउटरीच विभाग जिला इकाई के जिलाध्यक्ष दीपक पाराशर को छात्र आंदोलन में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना होने से पहले उनके आवास पर पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। पाराशर ने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाना कोई अपराध नहीं है। यदि किसी नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन या प्रदर्शन में भाग लेने से पहले ही उसके घर में रोक दिया जाता है, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

अग्निवीर जनक गुर्जर का निधन,शोक

यूनिक समय, शेरगढ़। थाना क्षेत्र के गांव जटवारी निवासी अग्निवीर जनक गुर्जर का पार्थिव शरीर आज शाम शेरगढ़ पहुंचा। शाम करीब पांच बजे पटेल चौक पर पार्थिव शरीर के पहुंचने के बाद तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा और सामाजिक संगठन शामिल हुए और श्रद्धांजलि दी। बताया गया है कि किसान विजेन्द्र गुर्जर के पुत्र जनक गुर्जर ने 29 जून 2026 को अग्निवीर के रूप में सेना में सेवा शुरू की थी। प्रशिक्षण के दौरान 15 जुलाई को फतेहगढ़ आर्मी सेंटर में दौड़ लगाते समय उनकी तबीयत बिगड़ गई। उपचार के दौरान 21 जुलाई को उनका निधन हो गया। जनक गुर्जर अपने परिवार के सबसे बड़े पुत्र थे। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

बांके बिहारी मंदिर मार्ग में गिरासू विद्युत खंभे से हादसा की आशंका

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। अब गुरु पूर्णिमा पर मंदिरों की नगरी में शिष्यों की भीड़ उमड़ने वाली है। हर गुरु गद्दी पर पहुंचने के लिए शिष्य आतुर नजर आएंगे, लेकिन कई रास्तों में विद्युत खंभे गिरासू हालात में खड़े नजर आएंगे, जिससे हादसा होने की आशंका बनी रहेगी।

अटल्ला चुंगी से ठाकुर बांके बिहारी मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर श्रीनाथ धाम के पास हाई टेंशन लाइन का खंभा गिरासू स्थिति में है। कभी भी दुर्घटना हो सकती है। ऐसा नहीं गिरासू खंभा किसी को नजर आता नहीं हो, लेकिन विद्युत अधिकारी नजर अंदाज करते नजर आते हैं। हैरान करने वाली बात तो यह है कि गिरासू खंभा हाईटेंशन लाइन से जुड़ा है और इस रास्ते से बांकेबिहारी मंदिर के लिए रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते और जाते है। ऐसी स्थिति को देखते हुए जल्द गिरासू खंभा को बदलवाया जाना जरुरी है।

श्रीनाथ धाम के पास दिखाई दे रहा गिरासू विद्युत खंभा।

झगड़े में घायल करने वाले तीन अभियुक्तों को तीन-तीन साल की कैद

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे एफटीसी द्वितीय न्यायालय ने गंभीर रुप से मारपीट कर घायल करने वाले तीन अभियुक्तों को तीन-तीन साल की कैद और सात- सात हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

अभियोजन के अनुसार, थाना हाईवे के गांव अड्की में हुए झगड़े में अभियुक्त रामवीर, रोहित और लेखराज ने एक युवक को घातक हथियारों से लैस होकर हमला कर दिया था। युवक को गंभीर चोट आई थी। पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में प्रेषित किया।

मुकदमे की सुनवाई एडीजे एफटीसी द्वितीय के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर तीनों अभियुक्तों को उक्त सजा से दंडित किया।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

नारेबाजी करते हुए कलक्ट्रेट पहुंच एसडीएम को दिया ज्ञापन

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन करते महानगर अध्यक्ष पंडित यतेंद्र मुकद्दम और कांग्रेस के कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली में छात्रों के हितों की आवाज उठाने के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ की गई कार्रवाई और राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को महानगर कांग्रेस कमेटी ने होलीगेट चौराहे पर महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। कलक्ट्रेट पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन दिया गया।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग कर छात्रों के साथ बेरहमी से की गई मारपीट और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष- कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ की गई कार्रवाई को लेकर मथुरा के कांग्रेसियों में उबाल आ गया। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष पंडित यतेंद्र मुकद्दम के नेतृत्व में बढ़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने होली गेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। सरकार विरोधी नारे लगाते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जुलूस नारेबाजी करता हुआ कलक्ट्रेट पहुंचा और वहां उप जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया।

धरने को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष पंडित यतेंद्र मुकद्दम ने कहा कि देश का युवा आज अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। जो भी छात्र-युवाओं के अधिकारों की आवाज़ उठाता है, उसे दबाने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी संविधान, लोकतंत्र तथा छात्रों-युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर सदन तक निरंतर संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने केंद्र सरकार की छात्र-छात्रों के बेरहमी से की गई पिटाई की निंदा करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग की।

इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष मलिक अरोड़ा, महानगर उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिसोदिया, कृष्णानगर मंडल अध्यक्ष आशीष अरोड़ा , महानगर महासचिव आनंद शर्मा, शिव कुमार बंटी गौतम , संदेश पाठक, महानगर सेक्टर प्रभारी प्रदीप गौतम (राजा भईया) , महानगर सचिव ललित चौहान, निशांत शर्मा, राहुल शुक्ला, जितेंद्र सिसोदिया, दीपक वार्ष्णेय सहित बढ़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

युवाओं पर लाठी चार्ज के विरोध में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को महात्मा ज्योतिराव फूले विकास समिति और अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के तत्वाधान में राजेंद्र निमेष और ओमपाल सैनी के संयुक्त नेतृत्व में दिल्ली में किए गए लाठी चार्ज के विरोध में मार्च निकाला। केंद्र सरकार को बर्खास्त की मांग को लेकर काली पट्टी बांधकर डीएम कार्यालय तक मार्च निकालकर आक्रोश व्यक्त करके प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान रमेश सैनी, एडवोकेट अरविंद कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि संविधान, रोजगार, छात्र, महिला, युवा विरोधी, देश की बर्बादी के लिए जिम्मेदार भाजपा की मोदी सरकार को बर्खास्त किया जाए। लाठी चार्ज करने वाले जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाए। संगठन के लोगों ने एडीएम वेदप्रिय आर्य को मांग पत्र सौंप कर केंद्र सरकार को बर्खास्त की मांग की। प्रदर्शन के दौरान नरेश चौधरी, एडवोकेट अजय सनवाल, राजेश कुमार, नरेश, हरेंद्र कुमार, संजय बीडीसी, उर्मिला देवी, ओमपाल सैनी, संतोष सैनी, कृष्ण सैनी, इरशाद कुरैशी, डॉ अरुण कुमार, संदेश केन, एडवोकेट गावस्कर, मुकेश सैनी, सागर सिंह, सोनू हरसाना, विजेंद्र सिंह बौद्ध, सीबी बिकल, आशीष, राजगब्बर, कृष्ण कुमार, अदिति सनवाल, अंशिका, प्रताप कुमार, पल्लवी, तनिशा, पूजा, वंदना राही, बिसंबर दयाल, विजेंद्र सिंह बौद्ध दिल्ली, जितेंद्र कुमार, हरेंद्र कुमार, हिमांशु कुमार, राहुल कुमार, मनोज कुमार, सुमित कुमार,अजय कुमार, मुकुल कुमार, काकुल कुमार, निलेश, संतोष, हैप्पी ,संजू, लता,बिहारी लाल, राकेश टेलर, रानी और अन्य लोग मौजूद रहे।

जंतर- मंतर पर छात्रों पर किए गए लाठी चार्ज के विरोध में कलेक्ट्रेट पहुंचे कार्यकर्ता, विद्यार्थी।

कैच द रेन अभियान से संवरेगा भूगर्भ जल स्तर

कैच द रैन अभियान को लेकर आयोजित कार्यक्रम में जलकल विभाग के महाप्रबंधक मौहम्मद अनवर ख्वाजा और नगर निगम के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। भूजल स्तर में आ रही गिरावट और बढ़ते जल संकट को देखते हुए मथुरा–वृंदावन नगर निगम ने वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'कैच द रेन' अभियान के तहत जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने लोगों को वर्षा जल संचयन के महत्व से अवगत कराते हुए जल संरक्षण को जन–आंदोलन बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की उपयोगिता, तालाबों, सरोवरों और अन्य जलाशयों के संरक्षण और पुनर्जीवन, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बचाव, जल प्रबंधन के प्रभावी उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्षा जल का अधिकतम संग्रहण कर भूजल स्तर को बढ़ाया जा सकता है, जिससे भविष्य में जल संकट से काफी हद तक राहत मिलेगी। जलकल विभाग के महाप्रबंधक मौहम्मद अनवर ख्वाजा, सहायक अभियंता हेमेंद्र गौतम एवं अनूप सूद, अवर अभियंता अजय कुमार, प्रतिभा ओझा, गंगा सागर शर्मा और अभिमन्यु मौर्य सहित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में संगठन मजबूत करने का संकल्प

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के अंतर्गत जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे के नेतृत्व में मांट, छाता और बल्देव विधानसभा क्षेत्रों में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित किए गए। सम्मेलनों में बूथ अध्यक्षों, मंडल पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की गई।

छाता विधानसभा में आयोजित सम्मेलन के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी रहे। मुख्य वक्ता शिव शंकर शर्मा ने कहा कि बूथ अध्यक्ष भाजपा संगठन की सबसे मजबूत कड़ी हैं। कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि चुनाव में जीत का सबसे मजबूत आधार बूथ होता है।

मांट विधानसभा में आयोजित सम्मेलन के मुख्य अतिथि नागेंद्र सिंह सिकरवार रहे। विधायक राजेश चौधरी ने कहा कि बूथ स्तर पर

बूथ मजबूत तो चुनाव में जीत तय: भाजपा

सक्रियता और लगातार संवाद ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। बल्देव विधानसभा में आयोजित सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष रामवीर सिंह, विधायक पूरन प्रकाश ने सभी बूथ अध्यक्षों का सम्मान किया। वक्ताओं ने कहा कि भाजपा की वास्तविक शक्ति उसके बूथ कार्यकर्ता हैं। जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा कि बूथ जीतेगा, तभी भाजपा जीतेगी।

सम्मेलनों में जिला उपाध्यक्ष जगमोहन पाठक, जिला महामंत्री सत्यपाल, जिला महामंत्री आकाश चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी,सतेन्द्र सीरवी, संजय तरकर, सुरेश तरकर, भानु प्रताप, अजय परखम, निर्मला बघेल,शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दो अभियुक्त गिरफ्तार, 200 पव्वा शराब बरामद

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 200 पव्वा हरियाणा मार्का देशी शराब बरामद की है। मौके से अभियुक्तों का तीसरा साथी भाग निकला। पुलिस के अनुसार, बीती रात पुलिस दल हाथिया चौकी से चेकिंग आदि के लिए कमई की ओर जा रहा था। रास्ते में सामने से आती एक बाइक दिखाई दी। पुलिस को देख कर बाइक सवार तीन युवकों ने बाइक को रोक कर बैक कर भागने का प्रयास किया। इस प्रयास में बाइक फिसल गई और तीनों युवक गिर गए। एक युवक बाइक

मौके से भागे अभियुक्त की तलाश जारी

को लेकर मौके से भाग गया। पुलिस ने मौके से अभियुक्त हाथिया निवासी बिज्जो, गंगाराम निवासी डिरावली थाना बरसाना को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को इनके कब्जे से 200 पव्वा हरियाणा मार्का देशी शराब बरामद हुई है। पुलिस को गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपने तीसरे साथी का नाम देव सिंह उर्फ देवो निवासी डिरावली थाना बरसाना बताया है।

नोएडा एयरपोर्ट और टप्पल–बाजना अर्बन नोड के बीच नया शहर बसेगा

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में एक और नया शहर आकार लेने जा रहा है। नोएडा एयरपोर्ट और टप्पल–बाजना अर्बन नोड के बीच करीब आठ हजार हेक्टेयर जमीन पर इस शहर को बसाया जाएगा। पहले इस इलाके में सिर्फ इंडस्ट्रियल नोड (औद्योगिक क्षेत्र) विकसित करने की योजना थी, लेकिन अब यमुना अथॉरिटी ने अपने प्लान में बड़ा बदलाव किया है। यहां केवल उद्योग ही नहीं, बल्कि पूरा कम्प्लीट ईको–सिस्टम तैयार किया जाएग। इस नए शहर में हर तरह की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। औद्योगिक के साथ–साथ आवासीय सेक्टर भी विकसित होंगे। स्कूल कॉलेज, यूनिवर्सिटी, बड़े अस्पताल, होटल, मॉल और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाए जाएंगे।

देशी तमंचा–कारतूस के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय,मथुरा। यमुनापार पुलिस ने चेकिंग के दौरान जयपुर-बरेली एक्सप्रेस वे के नीचे अंडर पास से अभियुक्त आकाश निवासी खांडा थाना बरहन जिला आगरा को एक देशी तमंचा और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। आकाश इस समय केशवधाम वृंदावन इलाके में रह रहा था।

राया में मनेगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

यूनिक समय, राया। श्री सर्वेश्वर भक्त मंडल के तत्वावधान में 29 जुलाई को भक्तिभाव के साथ सादाबाद मार्ग पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जायेगा। इसमें सभी निम्बार्क भक्तों द्वारा सामूहिक गुरुपूजन भजन कीर्तन का आयोजन किया जाएगा । यह जानकारी सर्वेश्वर मण्डल के चंद्रप्रकाश अग्रवाल,अनिल अग्रवाल और मुकेश अग्रवाल ने दी है।

सहकारिता मंत्री ने की समीक्षा, उर्वरक की उपलब्धता पर दिया जोर

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे.पी.एस. राठौर ने बुधवार को जनपद का दौरा कर विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने खरीफ अभियान के तहत किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने, सहकारी समितियों को मजबूत बनाने तथा जिला सहकारी बैंक के कार्यों में सुधार के निर्देश दिए। बैठक में महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह, अपर आयुक्त सहकारिता आगरा आदित्य कुमार दुबे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में खरीफ अभियान के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है और किसानों को नियमानुसार वितरण किया जा रहा है।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जिले में 25,051 मीट्रिक टन यूरिया तथा 8,861 मीट्रिक टन फॉस्फेटिक उर्वरक उपलब्ध है।

सार्वजनिक सूचना

मैं शकिर पुत्र मोहम्मद सादिक निवासी 336 नई बस्ती निकट बद्री नगर मथुरा सूचित करता हूँ कि मेरा एक बैग जिसमें मेरी ओरीजनल रजिस्ट्री जिसका वही नं 1, जिल्द नं 2195, पृष्ठ नं. 327 से 342, दफा नं. 416, दिनांक 03.05.2003 में पंजीकृत है दिनांक 18.06.2025 को रास्ते में कही गिर गयी है, जिसका प्रयोग अवैध होगा।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सम्पत्ति जो कि एक मकान क्षेत्रफल 142.13 वर्ग मीटर है जोकि मौजा–बाजना तहसील व जिला मथुरा, जो खसरा न.–472 में स्थित है संजय पुत्र श्यामसुन्दर से श्रीमती सर्वेश पत्नी संजय ने दान द्वारा प्राप्त की है, जोकि बुक नं0 1. जिल्द नं0 14983 संख्या 315–328 के क्रमांक 7334 दिनांक 26–03–2026 पर दर्ज है। उक्त मकान संजय पुत्र श्यामसुन्दर द्वारा अपने हिस्से की भूमी मे से दान किया गया है। अब इस समपत्ति पर श्रीमती सर्वेश पत्नी संजय, PNB Housing Finance Ltd, मथुरा से ऋण प्राप्त कर रही है। अतः इस खसरा नं0 472 के किसी भी अन्य भूमी स्वामी, हिस्सेदार, उनके कानूनी वारिस या को कोई व्यक्ति बैंक संस्था इस दानपत्र दिनांकित 26–03–2026 मे हित रखता हो या आपत्ती तो इस प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर नीचे लिखे कार्यालय में दस्तावेज सहित अधोहस्ताक्षरित सम्पर्क/सूचित करे। 7 दिन के पश्चात कोई क्लेम प्राप्त नहीं होगा और यह मान लिया जाएगा कि उक्त दानपत्र से किसी भी अन्य भूमी स्वामी को कोई आपत्ती नहीं है। **नितिन कुमार घोरले ऐडवोकेट PNB Housing Finance Ltd, मथुरा। फोन न0 9997149391**

5.45 लाख पशुओं को लगेगा खुरपका–मुंहपका से बचाव का टीका

यूनिक समय, मथुरा। जिले में पशुओं को खुरपका–मुंहपका (एफएमडी) जैसी खतरनाक बीमारी से बचाने के लिए बुधवार से विशेष टीकाकरण अभियान शुरू हो गया। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की बैठक के बाद टीकाकरण टीमों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अभियान चार सितंबर तक चलेगा। इस दौरान जिले के 5 लाख 45 हजार 550 पशुओं को मुफ्त टीका लगाया जाएगा।

सीडीओ ने सभी पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पशु टीकाकरण से न छूटे। साथ ही हर पशु की टैगिंग कर भारत पशुधन ऐप पर उसका पंजीकरण और टीकाकरण की जानकारी भी अपलोड की जानी चाहिए। पशुपालक भी टीम का सहयोग करे, पशुओं को मुफ्त टीका जरूर लगवाएं, उनकी टैगिंग कराएं और भारत पशुधन ऐप पर पंजीकरण भी कराएं, ताकि पशु खुरपका–मुंहपका जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रह सकें।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. एनएन शुक्ला ने बताया कि यह अभियान

खुरपका–मुंहपका अभियान की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करतीं सीडीओ डॉ .पूजा गुप्ता और अधिकारी।

सीडीओ ने अभियान को दिखाई हरी झंडी, घर–घर जाकर टीकाकरण करेंगी टीमें

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत चलाया जा रहा है। इसके लिए जिले के सभी 10 विकास खंडों में टीमें बनाई गई हैं। चार माह से कम उम्र के बछड़ों और आठ माह से अधिक गर्भवती पशुओं को छोड़कर सभी पात्र पशुओं को टीका लगाया जाएगा। इस मौके पर जिले के सभी उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी, मोबाइल वेटरनिरी यूनिट के चिकित्सक, पशुधन प्रसार अधिकारी और वैक्सीनेटर मौजूद रहे।

वाहन पार्किंग के लगाए गए स्टापर और बेरियर।

गोवर्धन परिक्रमा को आने वाले श्रद्धालुओं को डबल इंजन सरकार के काम दिखाने के लिए खड़े एलईडी वाहन।

परिक्रमा मार्ग को संवारने का होता रहा काम

मजदूर और जेसीबी के अलावा अन्य संसाधन भी जुटाए गए इंतजाम को

वर्षा की आफत, परिक्रमा मार्ग में कीचड़ और जलभराव बना है समस्या

यूनिक समय, गोवर्धन। गुरुवार से शुरू होने वाली गिरिराज जी परिक्रमा के पथ को संवारने के लिए बुधवार को सुबह से रात तक काम होता रहा। मजदूरों के अलावा जेसीबी और अन्य संसाधन इंतजामों को संवारने में जुटे रहे। वर्षा की वजह से पिछड़े इंतजामों को संवारने के बीच समूचे परिक्रमा मार्ग में जलभराव और कीचड़ के भी नजारे नजर आए, जबकि वर्षा की संभावना तैयारियों पर काले बादलों के रुप में मडराती रहीं।

23 जुलाई से मुड़िया पूर्णिमा परिक्रमा का शुभारंभ होगा। गोवर्धन में लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के लिए प्रशासन व्यवस्था बनाने में जुटा रहा। जेसीबी से काम कराया गया तो मजदूरों ने भी परिक्रमा मार्ग को संवारने का काम किया। खुले में रखे ट्रांसफार्मर के चारों ओर सुरक्षा कवच तैयार किया गया। परिक्रमा पथ को भी साफ करने के लिए सफाई कर्मचारी जुटे रहे।

राधाकुंड परिक्रमा मार्ग में बिजली के तारों को सही करता कर्मचारी।

श्रद्धालुओं को रोकने के लिए श्याम कुंड के दरवाजे पर लगाई बल्लियां।

परिक्रमा मार्ग में वाच टावर बनाने में जुटे मजदूर।

एक साल बाद साफ हुई गंदगी

मथुरा शहर स्थित गोवर्धन चौराहे से और गोवर्धन कस्बा तक सड़क के किनारे जेसीबी और मजदूर काम में जुटे दिखे। जेसीबी से एक साल पहले से अब तक नजर आने वाले गंदगी के ढेर साफ किए गए। नालों से कीचड़ निकालने का काम हुआ जो मजदूरों ने राह किनारों झाड़ियां काटने के अलावा जलभराव को कम करने का काम किया।

बारिश बन सकती है समस्या

कच्ची परिक्रमा में प्रशासन ने परिक्रमार्थियों की सुविधा के लिए एक- दो दिन पहले ही मिट्टी डलवाई है। मथुरा जिले में यह रेतीली मिट्टी कहीं–कहीं तो बिछाई भी नहीं गई है, जब राजस्थान के परिक्रमा मार्ग में भी कुछ ऐसे ही हालात नजर आए। बारिश होने पर बिना बिछाए छोड़ी गई मिट्टी और बिछाई गई मिट्टी श्रद्धालुओं की परीक्षा लेगी।

सुरक्षा के भी हुए इंतजाम

मुड़िया परिक्रमा के लिए सुरक्षा के भी इंतजाम किए गए हैं। मथुरा स्थित गोवर्धन चौराहे से गोवर्धन तक जगह–जगह बैरियर लगे दिखे, जबकि परिक्रमा मार्ग में वाच टावरों को तैयार करने का काम चलता रहा। परिक्रमा मार्ग के खुले कुओं को भी सुरक्षा की दृष्टि से जालियों से कवर किया गया।

सरकारी प्रचार को आए एलईडी वाहन

मुड़िया मेला के दौरान डबल इंजन सरकार के कामों का भी प्रचार होगा। इसके लिए मथुरा मार्ग से परिक्रमा मार्ग में योगी- मोदी के फोटो वाले होर्डिंग्स लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं को ब्रज की महत्ता से जोड़ने और डबल इंजन की भाजपा सरकार के काम दिखाने के लिए एलईडी वैन भी यहां आई हैं।

परिक्रमा मार्ग से बेहारा गोवंश को पकड़कर कैटल कैचर वाहन में लादते कर्मी।

परिक्रमा मार्ग को आकर्षण बनाने के लिए गेट पर की गई सजावट।

कच्ची परिक्रमा की मिट्टी को ट्रेक्टर से समतल करने का होता काम।

फब्बारों से होगा स्नान कुंड़ों की राह बंद

मुड़िया परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं को फब्बारों से स्नान कराने के लिए मानसी गंगा पर इंतजाम किया गया है। मानसी गंगा को चारों ओर से बल्लियां लगाकर बंद किया गया है, जिससे कोई श्रद्धालु स्नान नहीं कर सके। यह कदम भी श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। राधा कुंड और श्याम कुंड का रास्ता भी बल्लियों से बंद किया गया है, जिससे कोई श्रद्धालु स्नान को कुंड में नहीं जा पाए।

समस्या अब हैं, एक साल मिलेगा आनंद

इस समय गोवर्धन के लोग गर्मी आर उमस से अकुलाए हुए हैं, वजह है सुबह से शाम तक बिजली का गायब होना। बड़ी परिक्रमा मार्ग में चाय की दुकान पर मिले रामनरेश कहते रहे, आजकल यहां बिजली का संकट हैं, खैर दो- तीन की समस्या है, झेल लेंगे। लेकिन, इसके बाद तो पूरे साल आनंद ही आनंद रहेगा। वजह पूछने पर गोविंद शर्मा ने बताया कि अब यहां बिजली सुधार का काम चल रहा है, एक साल तक कोई खराबी नहीं होती है।

परिक्रमा मार्ग में सजा जल मंदिर।

छोटी परिक्रमा मार्ग में मिट्टी युक्त जलभराव, इससे श्रद्धालु परेशान होते रहे।

कच्ची परिक्रमा मार्ग में जलभराव, यहीं से श्रद्धालु परिक्रमा को निकलेंगे।

मथुरा से गोवर्धन तक जलभराव के नजारे

बुधवार को यूनिक समय टीम ने मथुरा से गोवर्धन तक की यात्रा की तो समूचे मार्ग पर जलभराव दिखा। गोवर्धन चौराहे से आगे बढ़ने के बाद हर गांव और आबादी के आसपास जलभराव के ऐसे नजारे नजर आए, जिनको दूर करने का काम होता भी नहीं दिखा।

मेले में छेड़खानी करने वालों पर रहेगी पुलिस की नजर

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन में लगने वाले मुड़िया मेले में पुलिस ने चाक-चौबंद सुरक्षा इंतजाम किए हैं। महिलाओं से छेड़–छाड़ करने वालों और चोरी करने वालों से निपटने की पुलिस ने पूरी तैयारी की है पुलिस ने मेला में आने वाली महिला श्रद्धालुओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ को रोकने के लिए इस बार बढ़ी संख्या में महिला सिपाहियों को सादा वर्दी में तैनात करने की योजना तैयार कर ली है। महिलाओं से छेड़छाड़ अथवा अश्लीलता करने वालों से निपटने के लिए महिला सिपाही पूरी तरह तैयार रहेंगी। पुलिस की यह महिला सिपाही मोबाइल चोरी करने और चेन स्नेचिंग करने वालों पर तुरंत कार्रवाई करेंगी।

सुविचार

खुद पर विश्वास रखो, सफलता जरूर आपके कदम चूमेगी।

कल का पंचांग

तिथि	दशमी	07:03-09:13 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	विशाखा	11:03-01:42 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:42 AM	चन्द्रोदय	02:18 PM
सूर्यास्त		7:09 PM	चंद्रास्त	12:51 AM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	तुला राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		02:06 PM: 03:47 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा, जल्दबाजी और अनावश्यक खर्च से बचें।

वृषभ: रुके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापार में लाभ मिलेगा। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। निवेश सोच–समझकर करें, यात्रा लाभदायक साबित होगी।

मिथुन: आत्मविश्वास बढ़ेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। नई योजनाएं सफल होंगी। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। खानपान और दिनचर्या संतुलित रखें।

कर्क: परिवार में खुशियां आएंगी। आय बढ़ने के संकेत हैं। करियर में नए अवसर मिलेंगे। भावनाओं पर नियंत्रण रखें, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह: मेहनत का पूरा फल मिलेगा। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। व्यापार में लाभ होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। विवादों से दूर रहना बेहतर होगा।

कन्या: कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ के योग बनेंगे। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। निवेश से पहले विशेषज्ञ की सलाह लें।

तुला: नौकरी और व्यापार में प्रगति होगी। रुका धन मिल सकता है। रिश्तों में मधुरता आएगी। आत्मविश्वास बनाए रखें, सफलता मिलेगी।

वृश्चिक: नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। खर्च नियंत्रित रखें। करियर में सकारात्मक बदलाव आएंगे।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। यात्रा शुभ रहेगी। शिक्षा और प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी।

मकर: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा। पुराने विवाद समाप्त होंगे।

कुंभ: नए संपर्क लाभ देंगे। व्यापार में विस्तार होगा। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति के संकेत हैं। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

मीन: धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मन प्रसन्न रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

सावन में पांच राशियों पर बरसेगी शिव कृपा विशेष

मेष से कुंभ तक मिलेंगे शुभ अवसर

जलाभिषेक से दूर होंगे संकट और बाधाएं

यूनिक समय, मथुरा। सावन का पवित्र महीना 30 जुलाई से शुरू हो रहा है। भगवान शिव को समर्पित इस माह में सभी राशियों पर उनकी कृपा बनी रहेगी, लेकिन ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार मेष, कर्क, सिंह, तुला और कुंभ राशि के जातकों के लिए यह समय विशेष रूप से शुभ रहने वाला है। करियर, आर्थिक स्थिति, पारिवारिक जीवन और मान–सम्मान के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मेष राशि के लोगों को नई योजनाओं में सफलता मिलने के योग हैं। आय बढ़ने, निवेश के अवसर मिलने और संपत्ति में वृद्धि की संभावना रहेगी। कर्क राशि के जातकों के लिए नौकरी में बदलाव और आर्थिक मजबूती के संकेत हैं। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

सिंह राशि वालों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और करियर में नई उपलब्धियां हासिल हो सकती हैं। प्रॉपर्टी खरीदने के अवसर मिल सकते हैं, हालांकि निवेश से पहले सभी दस्तावेजों की जांच करना जरूरी रहेगा। तुला राशि के लोगों को नौकरी और कारोबार में उन्नति के नए अवसर मिलेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी और पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। वहीं

कुंभ राशि के जातकों के लिए नए प्रोजेक्ट, करियर में प्रगति और प्रभावशाली लोगों से जुड़ने के अवसर बन सकते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन माह में भगवान शिव का जलाभिषेक अत्यंत फलदायी माना जाता है। प्रतिदिन या कम से कम सावन के प्रत्येक सोमवार को शिवलिंग पर जल अर्पित करने से मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और जीवन की बाधाओं में कमी आती है। मान्यता है कि श्रद्धा और विधि–विधान से किया गया जलाभिषेक सुख–समृद्धि, स्वास्थ्य और सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। भक्तों को इस दौरान संयम, सात्विक जीवन और नियमित शिव पूजा का पालन करने की भी सलाह दी जाती है। हालांकि ज्योतिषीय फल और धार्मिक मान्यताएं व्यक्ति की आस्था पर आधारित होती हैं।

सांवलिया सेठ दरबार में भक्त की ग्यारह किलो चांदी की भेंट

देवास से पहुंचे श्रद्धालु ने दिखाई आस्था

हर माह मिलती सोना–चांदी की बड़ी भेंट

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ स्थित प्रसिद्ध श्री सांवलिया सेठ मंदिर में एक श्रद्धालु ने अपनी अनूठी श्रद्धा का परिचय देते हुए 11 किलो 400 ग्राम चांदी की 19 सिल्लियां भगवान के चरणों में अर्पित कीं। मध्यप्रदेश के देवास जिले से आए श्रद्धालु ने मंदिर के दान कक्ष में पहुंचकर बिना किसी औपचारिकता के पूरी भेंट समर्पित कर दी। मंदिर प्रशासन ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चांदी का वजन कराया, जिसमें कुल 11.4 किलोग्राम वजन दर्ज किया गया। इतनी बड़ी भेंट देखकर मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालु और कर्मचारी भी कुछ देर के लिए आश्चर्यचकित रह गए।

मंदिर की परंपरा के अनुसार बड़ी भेंट अर्पित करने वाले श्रद्धालु का सम्मान भी किया गया। हालांकि दानदाता ने इसे केवल भगवान सांवलिया सेठ के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था का प्रतीक बताया।

श्री सांवलिया सेठ मंदिर देश के प्रमुख आस्था केंद्रों में गिना जाता है, जहां हर महीने करोड़ों रुपये की नकद राशि के साथ बड़ी मात्रा में सोना और चांदी दान स्वरूप प्राप्त होती है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार, औसतन हर महीने करीब 100 किलोग्राम चांदी विभिन्न श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित की जाती है। इसके अलावा सोने के आभूषण और नकद दान भी बड़ी मात्रा में मिलता है।

राजस्थान के अलावा मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। व्यापार में सफलता, परिवार की खुशहाली, स्वास्थ्य लाभ और मनोकामना पूरी होने पर भक्त धन्यवाद स्वरूप दान अर्पित करते हैं। मंदिर में त्योहारों और विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। 11 किलो 400 ग्राम चांदी की यह भेंट एक बार फिर दर्शाती है कि सांवलिया सेठ के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था लगातार मजबूत हो रही है और यह दरबार देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है।

हफ्ते के सात उपाय

घर से निकलने से पहले खाएं ये शुभ चीजें

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय परंपराओं में घर से निकलने से पहले कुछ खास चीजें खाने या देखने की आदत सिर्फ अंधविश्वास नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास से जुड़ी मानी जाती है। ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बताते हैं कि ये छोटे–छोटे उपाय व्यक्ति के मनोबल को बढ़ाते हैं और दिनभर कार्यों की सफलता की संभावना मजबूत करते हैं।

रविवार को पान का सेवन उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला माना गया है। सोमवार को शीशा देखने से मानसिक संतुलन और ऊर्जा बनी रहती है। मंगलवार को गुड़ खाना मंगल ग्रह की कृपा और उत्साह से जुड़ा है। बुधवार को धनिया का सेवन आर्थिक सफलता और धन लाभ का प्रतीक माना जाता है। गुरुवार को जीरा खाने से विचार स्पष्ट होते हैं और सही निर्णय लेने में मदद मिलती है। शुक्रवार को दही का सेवन शांति और सौभाग्य लाने

मिलेगा आत्मविश्वास और सफलता

वाला माना गया है। वहीं शनिवार को अदरक खाना साहस और स्थिरता का प्रतीक है। इन परंपराओं का सीधा संबंध मानसिक तैयारी और आत्मविश्वास से है। जब व्यक्ति किसी शुभ काम से पहले इन छोटे–छोटे रिवाजों का पालन करता है, तो उसका आत्मबल बढ़ता है और सकारात्मक सोच विकसित होती है। ज्योतिषाचार्य मानते हैं कि जीवन की व्यस्तता और चुनौतियों के बीच ऐसे सरल उपाय अपनाकर हम अपने दिन को न केवल अच्छा बना सकते हैं, बल्कि सफलता की संभावनाएं भी बढ़ा सकते हैं।

पितृ दोष: पितरों की नाराजगी से क्यों रुक जाती है तरक्की?

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में पितरों की पूजा और सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है, मान्यता है कि अगर कोई व्यक्ति अपने पितरों की उपेक्षा करता है या तर्पण–श्राद्ध जैसे कर्मों को अनदेखा करता है तो परिवार पर पितृ दोष लग जाता है, यह दोष व्यक्ति और परिवार दोनों की तरक्की में बाधा डालता है। कहा जाता है कि जब पितृ नाराज़ होते हैं तो वे संतान के जीवन में रुकावटें खड़ी करते हैं, धन की हानि होती है, संतान सुख नहीं मिलता, सेहत बिगड़ती है और परिवार में कलह बढ़ती है, यहां तक कि

व्यापार और नौकरी में भी तरक्की रुक जाती है, इसलिए शास्त्रों में पितरों का सम्मान और उनकी तृप्ति के लिए विशेष विधियों का उल्लेख किया गया है। पितृ दोष कई कारणों से लगता है, जैसे अमावस्या, पूर्णिमा या पितृ पक्ष में पितरों को जल तर्पण न करने से, श्राद्ध और पिंडदान की उपेक्षा करने से, विवाह, गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्यों में पितरों को स्मरण न करने से, पितृ लोक में जल की कमी के कारण तर्पण न देने से और पितरों का अनादर करने से, क्योंकि ऐसा करने पर पितर अप्रसन्न होकर श्राप देते हैं और संतान की उन्नति रोक देते हैं।

पितृ दोष से बचने के लिए उपाय भी बताए गए हैं, जैसे पितरों को जल से तर्पण करना, गाय, कौआ और कुत्ते को भोजन का अंश देना, अमावस्या, पूर्णिमा और पर्व–त्योहारों पर पितरों के नाम से दान करना, अर्यमा देव की पूजा करना और पितृ सूक्त का पाठ करना, ऐसा करने से पितर प्रसन्न होकर संतान को आशीर्वाद देते हैं और जीवन में सुख–समृद्धि लाते हैं। कहा भी गया है कि "पितृ प्रसन्न तो सब प्रसन्न, पितृ अप्रसन्न तो कोई प्रसन्न नहीं।" यही कारण है कि पितरों का सम्मान करना हर इंसान का कर्तव्य माना गया है।

सम्पादकीय

डिजिटल दौर में दोस्ती बचाना सबसे बड़ी चुनौती

दोस्तों की संख्या आज पहले से कहीं अधिक दिखाई देती है, लेकिन सच्चे मित्र पहले से कहीं कम महसूस होते हैं। सोशल मीडिया पर हजारों फॉलोअर और सैकड़ों ऑनलाइन संपर्क होने के बावजूद मन की बात कहने वाला एक भरोसेमंद साथी मिलना कठिन होता जा रहा है। यही कारण है कि दुनिया के कई देशों में 'ह्यूमन लाइब्रेरी' जैसी अवधारणाएं लोकप्रिय हो रही हैं, जहां लोग किताब नहीं, बल्कि इंसानों से बातचीत कर अपने मन का बोझ हल्का करते हैं। यह केवल एक नई सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन की बढ़ती भावनात्मक दूरी का संकेत भी है।

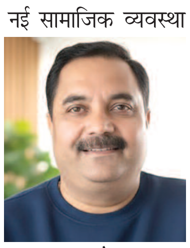
पवन गौतम
संपादक

तकनीक ने संवाद को आसान बनाया है, लेकिन दिलों की दूरी भी बढ़ा दी है। आज रिश्ते अक्सर लाइक, कमेंट और चैट तक सीमित होकर रह गए हैं। व्यस्त जीवनशैली, काम का दबाव, आत्मकेंद्रित सोच और डिजिटल दुनिया की लत ने आमने–सामने मिलने की संस्कृति को कमजोर कर दिया है। इसका परिणाम अकेलेपन, तनाव और अवसाद के रूप में सामने आ रहा है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी मानते हैं कि मजबूत सामाजिक संबंध व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए उतने ही जरूरी हैं, जितना संतुलित भोजन और नियमित व्यायाम। सच्ची मित्रता केवल खुशियों में साथ देने का नाम नहीं, बल्कि कठिन समय में बिना किसी स्वार्थ के खड़े रहने का संबंध है। मित्र की छोटी–छोटी कमियों को स्वीकार करना, उसकी बात धैर्य से सुनना और समय–समय पर हालचाल पूछना रिश्तों को जीवित रखता है। अक्सर रिश्ते किसी बड़ी वजह से नहीं, बल्कि अहंकार, गलतफहमी और संवाद की कमी से टूटते हैं। आज जरूरत इस बात की है कि हम डिजिटल संपर्क से आगे बढ़कर वास्तविक जुड़ाव को महत्व दें। कभी पुराने मित्र को अचानक फोन करना, समय निकालकर मिलना, परिवार सहित साथ बैठना या बिना किसी विशेष अवसर के कुशलक्षेम पूछ लेना भी रिश्तों में नई ऊर्जा भर सकता है। छोटे–छोटे प्रयास वर्षों पुराने संबंधों को फिर से मजबूत बना सकते हैं। भारतीय संस्कृति हमेशा से क्षमा, अपनत्व और साथ निभाने की सीख देती रही है। यदि हम मित्रों की कमियां गिनने के बजाय उनके साथ बिताए अच्छे पलों को याद रखें, तो रिश्तों में मिठास बनी रह सकती है। आखिर जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन नहीं, बल्कि वे लोग हैं जो सुख–दुख में बिना किसी स्वार्थ के हमारे साथ खड़े रहते हैं।बदलते समय में 'ह्यूमन लाइब्रेरी' जैसी व्यवस्थाओं की आवश्यकता तभी कम होगी, जब हम अपने परिवार, मित्रों और समाज के साथ वास्तविक संवाद और भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखेंगे। आखिर मजबूत रिश्ते ही जीवन को संतुलित, सुखद और अर्थपूर्ण बनाते हैं।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

युवा असंतोष का समाधान केवल संवाद और भरोसे में

बोध प्रकाश सगुणी

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति उसकी संस्थाओं से अधिक उसके नागरिकों के विश्वास में निहित होती है। जब युवा वर्ग व्यवस्था पर भरोसा करता है, तब लोकतंत्र मजबूत होता है और जब वही युवा अपने भविष्य, अवसरों और न्याय को लेकर असुरक्षित महसूस करने लगे, तब यह केवल राजनीतिक चुनौती नहीं बल्कि सामाजिक चेतावनी बन जाती है। हाल के दिनों में छात्रों और युवाओं के विभिन्न आंदोलनों ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि देश में बढ़ते युवा असंतोष को केवल कानून–व्यवस्था का विषय मानकर नहीं देखा जा सकता। इसका समाधान बल प्रयोग या प्रशासनिक कठोरता में नहीं, बल्कि संवाद, पारदर्शिता और जवाबदेही में निहित है।

हाल की घटनाओं में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों, छात्रों के आंदोलनों और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने यह दिखाया है कि नई पीढ़ी अपने अधिकारों और भविष्य को लेकर पहले से अधिक जागरूक है। डिजिटल युग में सूचनाओं तक आसान पहुंच ने युवाओं को अधिक संवेदनशील और विश्लेषणात्मक बनाया है। वे केवल घोषणाओं से संतुष्ट नहीं होते, बल्कि नीतियों के परिणाम और शासन की जवाबदेही भी देखना चाहते हैं। यही कारण है कि जब किसी आंदोलन या विरोध प्रदर्शन के दौरान संवाद की बजाय कठोर प्रशासनिक कार्रवाई देखने को मिलती है, तो असंतोष और गहरा हो जाता है।

लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन कोई असामान्य घटना नहीं है। संविधान नागरिकों को अपनी बात रखने, शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था की कमजोरी नहीं बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है। किसी भी सरकार के लिए असहमति को सुनना उतना ही आवश्यक है जितना अपनी नीतियों का क्रियान्वयन करना। यदि हर विरोध को केवल कानून–व्यवस्था की चुनौती मान लिया जाए, तो लोकतांत्रिक संवाद कमजोर पड़ने लगता है।

युवाओं का वर्तमान असंतोष केवल किसी एक घटना का परिणाम नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं, पेपर लीक, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी, परिणामों को लेकर विवाद और रोजगार के सीमित अवसरों ने लाखों छात्रों के भीतर असुरक्षा की भावना पैदा की है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों का समय और परिवार की आर्थिक पूंजी लगाने वाले युवाओं के लिए किसी भी प्रकार की अनियमितता केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि उनके भविष्य पर सीधा आघात होती है।

जब ऐसी घटनाएं बार–बार सामने आती हैं और उनके समाधान में पारदर्शिता या त्वरित कार्रवाई दिखाई नहीं देती, तब युवाओं का भरोसा कमजोर होना स्वाभाविक है। यही अविश्वास धीरे–धीरे व्यापक असंतोष का रूप ले लेता है। यदि सरकार केवल प्रदर्शन रोकने पर ध्यान दे और मूल समस्याओं के समाधान में अपेक्षित गंभीरता न दिखाए, तो स्थिति और जटिल हो सकती है।

आज का युवा केवल रोजगार नहीं चाहता, बल्कि निष्पक्ष अवसर चाहता है। वह चाहता है कि परीक्षा प्रणाली पारदर्शी हो, चयन प्रक्रिया निष्पक्ष हो और मेहनत का उचित सम्मान मिले। जब व्यवस्था इन अपेक्षाओं पर खरी उतरती है, तब समाज में विश्वास मजबूत होता है। लेकिन यदि बार–बार सवाल उठते रहें, तो निराशा और हताशा बढ़ना स्वाभाविक है। सरकारों के सामने चुनौती केवल व्यवस्था बनाए रखने की नहीं, बल्कि विश्वास कायम रखने की भी है। किसी भी आंदोलन या विरोध के दौरान कानून का पालन आवश्यक है, लेकिन कानून का क्रियान्वयन संवेदनशील और मानवीय भी होना चाहिए। लोकतंत्र में प्रशासन का उद्देश्य केवल नियंत्रण स्थापित करना नहीं, बल्कि नागरिकों की बात सुनना और समाधान निकालना भी होता है। कठोर कार्रवाई तत्काल व्यवस्था तो बना सकती है, लेकिन दीर्घकाल में विश्वास की कमी को और गहरा कर सकती है। विशेषज्ञ लगातार यह कहते रहे हैं कि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना किसी भी राष्ट्र के विकास की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि यही ऊर्जा निराशा, अविश्वास और असंतोष में बदल जाए, तो उसका प्रभाव केवल शिक्षा व्यवस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भी पड़ता है। इसलिए युवाओं की आवाज को सुनना भविष्य में निवेश करने जैसा है।

इस दिशा में पहला कदम संवाद होना चाहिए। सरकार, शिक्षा विशेषज्ञों, छात्रों, अभिभावकों और संबंधित संस्थाओं के बीच नियमित संवाद की व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। केवल संकट आने पर बातचीत करने के बजाय स्थायी संवाद तंत्र स्थापित करना अधिक प्रभावी होगा। इससे समस्याओं की पहचान समय रहते हो सकेगी और समाधान भी अधिक स्वीकार्य होंगे। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू परीक्षा और भर्ती प्रणाली में व्यापक सुधार का है। आधुनिक तकनीक का उपयोग, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, पारदर्शी मूल्यांकन, समयबद्ध परिणाम और दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई जैसी व्यवस्थाएं युवाओं का भरोसा मजबूत कर सकती हैं। केवल नई घोषणाएं करने से अधिक महत्वपूर्ण है कि सुधारों का प्रभाव जमीन पर दिखाई दे। तीसरा, मानसिक स्वास्थ्य को भी गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव, बेरोजगारी की चिंता और भविष्य की अनिश्चितता अनेक युवाओं को तनाव और अवसाद की ओर धकेल रही है।

शिक्षण संस्थानों में परामर्श सेवाओं, मनोवैज्ञानिक सहायता और करियर मार्गदर्शन को मजबूत करना समय की मांग है। स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज और मजबूत लोकतंत्र की नींव बन सकता है। चौथा, सरकार और युवाओं के बीच विश्वास बहाल करने के लिए पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक है। यदि किसी परीक्षा में अनियमितता होती है, तो जांच प्रक्रिया, दोषियों पर कार्रवाई और सुधारात्मक कदम पूरी स्पष्टता के साथ सार्वजनिक किए जाने चाहिए। इससे अफवाहों और भ्रम की स्थिति कम होगी तथा संस्थाओं की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

साथ ही यह जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। समाज, शिक्षण संस्थानों, अभिभावकों और राजनीतिक दलों को भी युवाओं के मुद्दों को संवेदनशीलता से उठाना चाहिए। आंदोलनों को हिंसा या टकराव की दिशा में ले जाने के बजाय रचनात्मक समाधान की ओर बढ़ाना सभी पक्षों की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब संवाद दोनों दिशाओं में चलता है–सत्ता जनता की सुनती है और जनता भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान करती है। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है। यह जनसांख्यिकीय शक्ति तभी राष्ट्रीय संपदा बनेगी, जब युवाओं को न्यायपूर्ण अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी व्यवस्था और सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध होंगे। यदि युवाओं का विश्वास कमजोर होता है, तो उसका असर केवल वर्तमान पर नहीं बल्कि देश के भविष्य पर भी पड़ेगा। इसलिए आवश्यकता टकराव की राजनीति से आगे बढ़कर विश्वास निर्माण की है। लोकतंत्र की सफलता विरोध को दबाने में नहीं, बल्कि असहमति को सुनकर समाधान खोजने में होती है। सरकारों को यह समझना होगा कि हर प्रदर्शन व्यवस्था विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था से अपेक्षा का संकेत भी हो सकता है। युवाओं की आवाज को सुनना उनकी मांगों के आगे झुकना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना है।

विचार विंडो

महिलाओं के हाथ में पैसा, देश के भविष्य में निवेश

राम प्रकाश वर्मा

भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में पिछले कुछ वर्षों में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अब सरकारी कल्याणकारी योजनाएं केवल राशन, गैस या अन्य वस्तुगत सुविधाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से महिलाओं के बैंक खातों में नकद सहायता पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। कई राज्यों में हर महीने 1,000 से 1,500 रुपये तक की सहायता सीधे महिलाओं के खातों में भेजी जा रही है। यह राशि भले ही बहुत बड़ी न लगे, लेकिन इसका प्रभाव परिवार की आर्थिक प्राथमिकताओं, महिलाओं की निर्णय क्षमता और वित्तीय व्यवहार में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी–पीएम) के जुलाई 2026 के अध्ययन ने इस बदलाव को आंकड़ों के माध्यम से सामने रखा है। महाराष्ट्र की 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना' और ओडिशा की 'सुभद्रा योजना' के विश्लेषण में पाया गया कि नकद सहायता मिलने के बाद महिलाओं की बचत और घरेलू खर्च दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। महाराष्ट्र में लाभार्थी महिलाओं की बैंक बचत लगभग 84 प्रतिशत और मासिक व्यय 46 प्रतिशत बढ़ा, जबकि ओडिशा में बचत में 45 प्रतिशत और व्यय में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इन आंकड़ों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि महिलाओं ने अतिरिक्त धन का उपयोग मुख्यतः बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और परिवार की आवश्यकताओं पर किया। साथ ही उन्होंने भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बचत की प्रवृत्ति भी विकसित की। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि महिलाओं के हाथों में पहुंचा धन केवल उपभोग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवार की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा का माध्यम भी बनता है।

भारत में महिलाओं को बिना शर्त प्रत्यक्ष नकद सहायता देने की शुरुआत 2013 में गोवा से हुई थी। इसके बाद असम सहित कई राज्यों ने इस मॉडल को अपनाया और धीरे–धीरे यह विभिन्न राज्यों की सामाजिक सुरक्षा नीति का अहम हिस्सा बन गया। आज 15 से अधिक राज्यों में ऐसी योजनाएं संचालित हैं और लगभग 12 करोड़ महिलाएं इनका लाभ उठा रही हैं। इन योजनाओं पर राज्यों का वार्षिक व्यय लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। इन योजनाओं का एक बड़ा सकारात्मक परिणाम महिलाओं की बैंकिंग व्यवस्था से बढ़ती भागीदारी भी है। जनधन खातों, आधार और मोबाइल आधारित डिजिटल भुगतान व्यवस्था ने महिलाओं को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ा है। पहले जहां कई महिलाएं बैंक खाते का उपयोग नहीं करती थीं, वहीं अब वे स्वयं खाते संचालित कर रही हैं, बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा रही हैं और आर्थिक निर्णयों में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इससे परिवार के

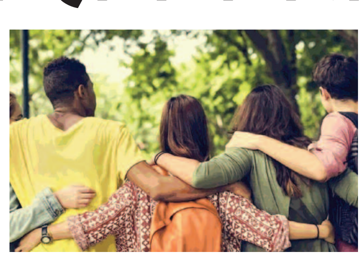

भीतर उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। महिलाओं को आर्थिक सहायता देना सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, परंतु इन योजनाओं का लगातार बढ़ता दायरा राज्यों के वित्तीय संसाधनों पर भारी दबाव भी डाल सकता है। यदि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में योजनाओं की राशि और दायरा लगातार बढ़ता रहा, तो वित्तीय अनुशासन बनाए रखना कठिन हो सकता है। 16वें वित्त आयोग के अनुसार, बड़े पैमाने पर नकद सहायता योजनाओं पर होने वाला व्यय लगातार बढ़ रहा है और कुल राजस्व सब्सिडी में इनका हिस्सा उल्लेखनीय स्तर तक पहुंच चुका है। वहीं विभिन्न आर्थिक अध्ययनों का आकलन है कि कई राज्यों में पहले से ही राजस्व घाटा और सार्वजनिक ऋण चिंता का विषय है। ऐसे में यदि आय के स्थायी स्रोत बढ़ाए बिना कल्याणकारी व्यय बढ़ता रहा, तो भविष्य में विकास परियोजनाओं और बुनियादी सेवाओं के लिए संसाधनों की कमी उत्पन्न हो सकती है।

यही कारण है कि सरकारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती संतुलन बनाए रखने की है। एक ओर महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सहयोग मिलता रहे, वहीं दूसरी ओर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, सिंचाई, आधारभूत ढांचे और औद्योगिक विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश भी प्रभावित न हो। दीर्घकालिक विकास के लिए उत्पादक निवेश उतना ही आवश्यक है जितनी सामाजिक सुरक्षा। विशेषज्ञों का मानना है कि अब इन योजनाओं को केवल नकद सहायता तक सीमित रखने के बजाय अगले चरण में ले जाने की आवश्यकता है। यदि सहायता राशि को कौशल विकास, स्वरोजगार, महिला उद्यमिता, स्वयं सहायता समूहों और सूक्ष्म उद्योगों से जोड़ा जाए, तो महिलाएं केवल लाभार्थी नहीं बल्कि आय सृजक बन सकती हैं। इससे सरकारी सहायता पर निर्भरता धीरे–धीरे कम होगी और आर्थिक आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त होगा। महिला स्वयं सहायता समूहों, डिजिटल वित्तीय साक्षरता, छोटे व्यवसायों के लिए आसान ऋण और उद्यमिता प्रशिक्षण को इन योजनाओं के साथ जोड़ना समय की मांग है। यदि नकद सहायता के साथ महिलाओं को रोजगार और व्यवसाय के अवसर भी मिलें, तो इसका प्रभाव कई गुना अधिक व्यापक होगा। इससे न केवल परिवार की आय बढ़ेगी बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन को भी गति मिलेगी।

केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक है ताकि एक ही उद्देश्य वाली योजनाओं में संसाधनों की अनावश्यक पुनरावृत्ति न हो। योजनाओं की नियमित समीक्षा, पारदर्शी लाभार्थी चयन और प्रभाव का स्वतंत्र मूल्यांकन सुनिश्चि त करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इससे यह स्पष्ट होगा कि सरकारी धन वास्तव में उन महिलाओं तक पहुंच रहा है जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। निस्संदेह, महिलाओं के बैंक खातों में सीधे पहुंचने वाली सहायता राशि ने उनके आत्मविश्वास, सम्मान, निर्णय क्षमता और परिवार की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत किया है। यह सामाजिक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है। लेकिन किसी भी कल्याणकारी नीति की वास्तविक सफलता केवल धन वितरण से नहीं, बल्कि उससे पैदा होने वाली स्थायी आर्थिक क्षमता से मापी जाएगी। इसलिए समय की मांग है कि नकद सहायता योजनाओं को वित्तीय अनुशासन, उत्पादक निवेश और महिला आत्मनिर्भरता के साथ संतुलित किया जाए। यदि सरकारें सामाजिक सुरक्षा को कौशल, रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने में सफल होती हैं, तो ये योजनाएं केवल चुनावी वादों का माध्यम नहीं रहेंगी, बल्कि भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति की मजबूत आधारशिला बन सकती हैं। महिलाओं को दिया गया आर्थिक सहयोग तभी सबसे अधिक सार्थक होगा, जब वह उन्हें स्थायी रूप से आत्मनिर्भर, सक्षम और राष्ट्र निर्माण में अधिक प्रभावी भागीदार बनाए।

हार्ट अटैक से एक महीने पहले शरीर देता है इस तरह के संकेत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बदलती जीवनशैली, तनाव, खराब खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण आज हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पहले जहां यह समस्या अधिक उम्र के लोगों तक सीमित मानी जाती थी, वहीं अब युवा भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हार्ट अटैक अचानक नहीं आता, बल्कि शरीर कई दिन या कई बार एक महीने पहले तक इसके संकेत देने लगता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते पहचान लिया जाए तो गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है।

साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिमल छाजेर के अनुसार, छाती में बार–बार दबाव, भारीपन, जलन या जकड़न महसूस होना हार्ट से जुड़ी समस्या का शुरुआती संकेत हो सकता है। यदि थोड़ी देर आराम करने पर यह ठीक भी हो जाए, तब भी इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

डॉक्टर बताते हैं कि थोड़ी दूरी चलने, सीढ़ियां चढ़ने या सामान्य काम करने पर सांस फूलना भी चेतावनी का संकेत है। इसके अलावा बिना अधिक मेहनत किए लगातार थकान महसूस होना, दोनों हाथों, कंधों, गर्दन, जबड़े या पीठ में दर्द होना भी हार्ट अटैक के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं।

अगर ठंडे मौसम में भी अचानक पसीना आने लगे, चक्कर महसूस हो, मतली आए या भूख कम लगने लगे तो यह भी हृदय की समस्या का संकेत हो सकता है। वहीं, बार–बार नींद टूटना या बिना किसी कारण के नींद न आना भी

छाती में दबाव, जकड़न या जलन

हाथ, गर्दन, जबड़े या पीठ में दर्द

कुछ मामलों में हृदय संबंधी परेशानी से जुड़ा हो सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, बढ़ा हुआ खराब कोलेस्ट्रॉल, धूम्रपान, मोटापा, पारिवारिक इतिहास और 40 वर्ष से अधिक उम्र के साथ शारीरिक गतिविधियों की कमी हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा देती है। ऐसे लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार और रोजाना व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

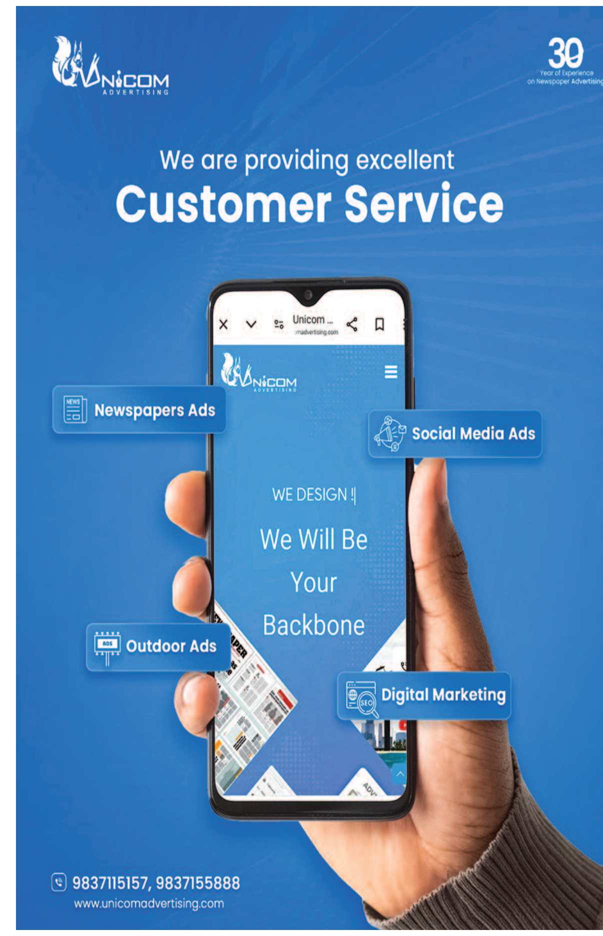

सिर्फ 5000 रुपये में घूम आएं भारत का 'स्कॉटलैंड'

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप कम बजट में किसी खूबसूरत हिल स्टेशन की सैर करना चाहते हैं, तो कर्नाटक का कूर्ग आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। प्राकृतिक सुंदरता, कॉफी के बागान, झरने और धुंध से ढकी पहाड़ियां कूर्ग को 'भारत का स्कॉटलैंड' बनाती हैं। खास बात यह है कि आप लगभग 5,000 रुपये के बजट में तीन दिन की यादगार यात्रा पूरी कर सकते हैं।

कूर्ग पहुंचने के लिए पहले ट्रेन या बस से बेंगलुरु या मैसूर जाएं। मैसूर से सरकारी बस का किराया 150 से 250 रुपये और बेंगलुरु से 300 से 500 रुपये तक पड़ता है। कूर्ग पहुंचने के बाद 500 से 800 रुपये प्रति रात में बजट होमस्टे या हॉस्टल आसानी से मिल जाते हैं। पहले दिन अब्बी फॉल्स, राजा सीट और मडिकेरी मार्केट घूमकर स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लें। दूसरे दिन दुबारे एलीफेंट कैंप, कुशलनगर स्थित स्वर्ण मंदिर और कॉफी प्लांटेशन का आनंद उठाएं। तीसरे दिन मंडलपट्टी व्यू पॉइंट और तलाकावेरी जाकर शानदार प्राकृतिक नजारों और आध्यात्मिक माहौल का अनुभव करें।

पूरी यात्रा के दौरान बस, शेयरिंग ऑटो और स्थानीय परिवहन का उपयोग करने से खर्च काफी कम रहता है। आने–जाने का किराया लगभग 800 से 1,000 रुपये, दो रातों का ठहराव 1,000 से 1,500 रुपये, भोजन 1,200 से 1,500 रुपये और स्थानीय घूमने–फिरने का खर्च करीब 800 से 1,000 रुपये आता है। इस तरह कुल बजट लगभग 4,500 से 5,000 रुपये में आराम से पूरा हो जाता है।

कूर्ग उन यात्रियों के लिए शानदार डेस्टिनेशन है, जो कम खर्च में प्रकृति, शांति और रोमांच का बेहतरीन अनुभव लेना चाहते हैं।

सेब से बनाएं बच्चों की पसंदीदा हेल्दी रेसिपीज़

यूनिक समय, नई दिल्ली। सेब को सबसे पौष्टिक फलों में गिना जाता है। इसमें फाइबर, विटामिन–सी, एंटीऑक्सीडेंट और कई जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो बच्चों की ग्रोथ, पाचन और इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। हालांकि, कई बच्चे सेब सीधे खाना पसंद नहीं करते। ऐसे में आप इसे अलग–अलग स्वादिष्ट रेसिपीज़ के रूप में उनकी डाइट में शामिल कर सकते हैं। आप नाश्ते में बच्चों के लिए एप्पल पैनकेक, एप्पल ओट्स पोरिज, एप्पल स्मूदी या एप्पल मिल्कशेक बना सकते हैं। वहीं, दही के साथ कटे हुए सेब, ड्राई फ्रूट्स और शहद मिलाकर एप्पल योगर्ट बाउल भी तैयार किया जा सकता है। इसके अलावा एप्पल सैंडविच और दालचीनी के साथ हल्का बेक किया हुआ सेब भी बच्चों को खूब पसंद आता है। इन हेल्दी रेसिपीज़ से बच्चों को स्वाद के साथ भरपूर पोषण मिलेगा। रोजाना एक सेब या उससे बनी कोई हेल्दी डिश उनकी डाइट में शामिल करने से शरीर को जरूरी विटामिन और फाइबर मिलते हैं।

सुबह नाश्ते में बना लें हेल्दी मूंग दाल उत्तपम

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप रोज़ाना एक जैसा नाश्ता खाकर बोर हो चुके हैं और कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ सेहतमंद भी हो, तो मूंग दाल उत्तपम आपके लिए बेहतरीन विकल्प है। प्रोटीन, फाइबर और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर यह डिश लंबे समय तक पेट भरा रखती है और शरीर को भरपूर ऊर्जा देती है। यही वजह है कि यह बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के लिए एक हेल्दी ब्रेकफास्ट माना जाता है।

मूंग दाल उत्तपम बनाने के लिए सबसे पहले बिना छिलके वाली पीली मूंग दाल को रातभर पानी में भिगो दें। सुबह भीगी हुई दाल को अदरक, हरी मिर्च, करी पत्ता, जीरा, काली मिर्च, बेसन, दही, नमक और थोड़ा पानी मिलाकर मिक्सर में अच्छी तरह पीस लें। बैटर न ज्यादा पतला होना चाहिए और न ही बहुत गाढ़ा। सही कंसिस्टेंसी वाला बैटर ही स्वादिष्ट उत्तपम की पहचान होता है। अगर आप चाहते हैं कि उत्तपम बाहर से एकदम करारा और अंदर से नरम बने, तो बैटर में दो चम्मच सूजी जरूर मिलाएं। यही छोटी–सी ट्रिक उत्तपम को शानदार टेक्सचर देती है। वहीं, यदि आपको स्पंजी और मुलायम उत्तपम पसंद है, तो सूजी का इस्तेमाल न करें।

उत्तपम बनाने से ठीक पहले बैटर में थोड़ा–सा बेकिंग सोडा मिलाकर

बैटर में 2 चम्मच सूजी जरूर मिलाएं

मध्यम आंच पर दोनों तरफ सुनहरा सेकें

अच्छी तरह फेंट लें। अब नॉन–स्टिक तवे को हल्का तेल लगाकर गर्म करें और बैटर को गोल आकार में फैलाएं। ऊपर से बारीक कटी प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, गाजर, हरा धनिया या अपनी पसंद की कोई भी सब्जियां डाल सकते हैं। मध्यम आंच पर दोनों तरफ सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें।

गर्मागर्म मूंग दाल उत्तपम को नारियल की चटनी, हरी चटनी, टमाटर की चटनी या सांभर के साथ परोसें। यह नाश्ता स्वाद के साथ–साथ पोषण का भी शानदार मेल है। ऑफिस जाने वालों, स्कूल जाने वाले बच्चों और फिटनेस का ध्यान रखने वालों के लिए यह एक परफेक्ट ब्रेकफास्ट विकल्प साबित हो सकता है।

क्या एयरटेल ने अनलिमिटेड 5जी डेटा दिया शेयरिंग पर लगा दी रोक

यूनिक समय, नई दिल्ली। एयरटेल के अनलिमिटेड 5जी डेटा को लेकर सोशल मीडिया पर इन दिनों एक दावा तेजी से वायरल हो रहा है। कई पोस्ट और स्क्रीनशॉट में कहा जा रहा है कि कंपनी ने अपनी नई गाइडलाइंस में बदलाव करते हुए यूजर्स को अनलिमिटेड 5जी डेटा हॉटस्पॉट के जरिए दूसरे लोगों के साथ शेयर करने से रोक दिया है। इस दावे के सामने आने के बाद लाखों एयरटेल यूजर्स के मन में सवाल उठने लगे कि क्या अब अनलिमिटेड 5जी डेटा केवल एक ही डिवाइस तक सीमित रहेगा?

हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वायरल हो रहे स्क्रीनशॉट में कहा गया है कि एयरटेल का अनलिमिटेड 5जी डेटा केवल व्यक्तिगत (निजी) और गैर–व्यावसायिक (गैर–व्यावसायिक) इस्तेमाल के लिए है तथा इसे दूसरे यूजर्स के साथ हॉटस्पॉट के माध्यम से साझा नहीं किया जा सकता। लेकिन कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर ऐसी कोई नई शर्त या अपडेट फिलहाल दिखाई नहीं देता।

यही वजह है कि इस वायरल दावे को लेकर अभी पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक कंपनी की ओर से आधिकारिक बयान या नई टर्म्स एंड कंडीशंस जारी नहीं की जातीं, तब तक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे स्क्रीनशॉट को अंतिम सत्य मानना उचित नहीं होगा।

एयरटेल लगातार अपने 5जी नेटवर्क को मजबूत करने में जुटा हुआ है। कंपनी ने पिछले वर्ष अपने नेटवर्क को 5जी एडवांस तकनीक से अपग्रेड करने की घोषणा की थी। इसके तहत

दावा सोशल मीडिया स्क्रीनशॉट के जरिए वायरल हुआ

अनलिमिटेड 5जी डेटा हॉटस्पॉट से शेयर नहीं किया जा सकेगा

मौजूदा नॉन–स्टैंडअलोन (एनएसए) नेटवर्क के साथ–साथ स्टैंडअलोन (एसए) 5जी तकनीक भी लागू की जा रही है, जिससे यूजर्स को बेहतर स्पीड, कम लेटेंसी और अधिक स्थिर नेटवर्क का अनुभव मिलेगा।

कंपनी देशभर के विभिन्न टेलीकॉम सर्किलों में तेजी से नए 5जी टावर भी स्थापित कर रही है। हाल ही में ओडिशा में 1500 नए 5जी मोबाइल टावर लगाए गए हैं ताकि नेटवर्क कवरेज और इंटरनेट स्पीड को और बेहतर बनाया जा सके।

दोनों ध्रुवों पर सबसे पहले पहुंचने वाले खोजकर्ता थे रोआल्ड अमंडसेन

यूनिक समय, नई दिल्ली। नॉर्वे के महान ध्रुवीय खोजकर्ता रोआल्ड अमंडसेन का नाम दुनिया के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। 16 जुलाई 1872 को जन्मे अमंडसेन ने बचपन से ही समुद्री अभियानों का सपना देखा। मां की इच्छा पर उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई शुरू की, लेकिन उनके निधन के बाद पढ़ाई छोड़कर समुद्री जीवन अपना लिया। साल 1906 में अमंडसेन ने पहली बार उत्तर–पश्चिमी समुद्री मार्ग को सफलतापूर्वक पार कर इतिहास रचा। इसके बाद 14 दिसंबर 1911 को उन्होंने अपने चार साथियों के साथ दक्षिणी ध्रुव पर सबसे पहले

उत्तर–पश्चिमी समुद्री मार्ग पार करने वाले पहले खोजकर्ताओं में शामिल

पहुंचने का विश्व रिकॉर्ड बनाया। उनकी सफलता के पीछे बेहतरीन योजना, स्लेज डॉग्स और वैज्ञानिक तैयारी का बड़ा योगदान था। यही नहीं, 1926 में उन्होंने एयरशिप 'नॉर्गे' के जरिए उत्तरी ध्रुव के ऊपर से सफल उड़ान भरकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस तरह वे पृथ्वी के दोनों भौगोलिक ध्रुवों तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले खोजकर्ता बने। 1928 में उनका निधन हो गया, लेकिन ध्रुवीय अभियानों में उनकी रणनीतियां और योगदान आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बने हुए हैं।

भाजपा–कांग्रेस आमने–सामने लखनऊ में बढ़ा सियासी तनाव

कांग्रेस कार्यालय घेराव को लेकर हंगामा

दोनों दलों ने दिखाया आक्रामक रुख

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में बुधवार को भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच सियासी टकराव की स्थिति बन गई। भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस प्रदेश कार्यालय का घेराव करने पहुंचे, जहां पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग लगा रखी थी। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए बैरिकेडिंग पर चढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का–मुक्की हुई।

भाजपा कार्यकर्ता राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं के खिलाफ नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने कुछ पोस्टरों पर विरोध जताते हुए नारेबाजी की। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात किया। अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को समझाकर आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। यह प्रदर्शन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आह्वान पर किया गया था। भाजपा नेताओं का आरोप है कि राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत विपक्षी नेताओं ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन कर सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी गंभीर चिंताएं पैदा कीं। इसी के विरोध में कांग्रेस कार्यालय घेराव का कार्यक्रम रखा गया था। उधर, कांग्रेस प्रदेश कार्यालय के बाहर भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कई महिला कार्यकर्ता हाथों में लाठी लेकर तैनात दिखाई दीं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा कार्यकर्ताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता शांत जरूर हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर जवाब देने के लिए तैयार हैं।

कांग्रेस कार्यालय के बाहर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई। बैरिकेडिंग के दोनों ओर कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटने से माहौल तनावपूर्ण बना रहा।

राजनीतिक बयानबाजी के बीच लखनऊ में दोनों दलों के प्रदर्शन ने प्रदेश की सियासत को और गरमा दिया है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

दो दिन की बारिश में गंगा एक्सप्रेसवे की पोल खुली

बारिश से साठ मीटर हिस्सा धंसा अचानक

प्रशासन मौन, निर्माण गुणवत्ता पर सवाल

यूनिक समय, मेरठ। दो दिन की लगातार बारिश के बाद उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में गंगा एक्सप्रेसवे का करीब 60 मीटर लंबा हिस्सा धंस जाने से निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रयागराज को मेरठ से जोड़ने वाले 594 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे का प्रभावित हिस्सा मल्लावां क्षेत्र के सहादतपुरवा के पास माइलस्टोन संख्या 354 पर पाया गया। जानकारी मिलते ही कार्यदायी संस्था ने मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। धंसे हुए हिस्से में नीचे से गिट्टी भरने का काम किया गया, जबकि डामरीकरण का कार्य अभी शेष है। राहत की बात यह रही कि इस घटना से यातायात प्रभावित नहीं हुआ।

गौरतलब है कि 36,230 करोड़ रुपये की लागत से बने इस एक्सप्रेसवे का लोकार्पण 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में किया था। प्रभावित स्थान उद्घाटन स्थल से करीब सात किलोमीटर दूर बताया जा रहा है।

घटना के बाद जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

वहीं कार्यदायी संस्था के तकनीकी प्रतिनिधि राजेश मिश्रा ने कहा कि लगातार 48 घंटे हुई बारिश के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई होगी। उन्होंने इसे नियमित रखरखाव प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए कहा कि मरम्मत कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

हालांकि, हाल ही में शुरू हुए इतने बड़े और महत्वपूर्ण एक्सप्रेसवे का बारिश के बाद धंस जाना निर्माण की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि शुरुआती दौर में ही ऐसी समस्याएं सामने आती हैं तो भविष्य में सड़क की मजबूती और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर समीक्षा आवश्यक होगी। फिलहाल मरम्मत कार्य जारी है और संबंधित एजेंसियां क्षतिग्रस्त हिस्से को जल्द पूरी तरह दुरुस्त करने में जुटी हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट की अहम बैठक में बड़े फैसलों की उम्मीद

महासचिव चयन पर टिकी सबकी नजर

नए ट्रस्टी और सीईओ पर भी मंथन

यूनिक समय, अयोध्या । अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को मणिरामदास छावनी में शुरू हुई। महंत नृत्य गोपाल दास की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में ट्रस्ट के संगठनात्मक और प्रशासनिक मुद्दों पर विस्तार से मंथन किया जा रहा है। बैठक का सबसे बड़ा आकर्षण नए स्थायी महासचिव के चयन को माना जा रहा है। कार्यवाहक महासचिव डॉ. कृष्ण मोहन और विश्व हिंदू परिषद के महासचिव बजरंगलाल बांगड़ा का नाम प्रमुख दावेदारों में चर्चा में है। हालांकि, ट्रस्ट की ओर से अभी तक किसी नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

बैठक में ट्रस्ट के तीन रिक्त ट्रस्टी पदों पर नियुक्ति, पहली बार मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति, विभिन्न समितियों के पुनर्गठन और चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार–विमर्श हो रहा है। बैठक में कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि, स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, स्वामी विश्व प्रसन्न तीर्थ, परमानंद जी महाराज, दिनेंद्र दास सहित कई ट्रस्टी मौजूद हैं, जबकि कुछ सदस्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

बैठक को देखते हुए मणिरामदास छावनी और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल की तैनाती के साथ आने–जाने वालों की जांच भी की जा रही है। ट्रस्ट से जुड़े सभी महत्वपूर्ण फैसलों पर देशभर के श्रद्धालुओं की नजर बनी हुई है। बैठक समाप्त होने के बाद लिए गए निर्णयों की आधिकारिक घोषणा किए जाने की संभावना है।

दोस्त को बचाने में गई दोनों किशोरों की जान

यूनिक समय, आगरा । आगरा के अछनेरा क्षेत्र में बुधवार दोपहर दर्दनाक हादसा हो गया। तालाब में डूब रहे दोस्त को बचाने की कोशिश में दूसरा दोस्त भी गहरे पानी में समा गया। हादसे में दोनों किशोरों की मौत हो गई।

मृतकों की पहचान 14 वर्षीय करन और 15 वर्षीय देवमोहन के रूप में हुई है। दोनों कक्षा नौ के छात्र थे और रायभा स्थित लॉर्ड कृष्णा स्कूल में पढ़ते थे। स्कूल से लौटने के बाद दोनों बैग घर रखकर अरावली की पहाड़ियों के बीच बने तालाब पर पहुंचे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नहाने के दौरान देवमोहन का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने पहुंचे करन का भी संतुलन बिगड़ गया और दोनों डूब गए। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों और गोताखोरों ने करीब आधे घंटे की मश क्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बारिश से यूपी में बाढ़ का खतरा, नदियां उफान पर

शारदा नदी खतरे के निशान के पार

बारिश और हादसों से बढ़ी लोगों की परेशानी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश ने कई जिलों में मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पिछले 10 दिनों से जारी मानसूनी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं और कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी खतरे के निशान को पार कर गई है, जिससे किनारे बसे गांवों में पानी घुस गया है। कई जगह खेत और सड़कें जलमग्न हो गई हैं।

वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। एक सप्ताह में गंगा का पानी करीब 10 फीट ऊपर आ गया, जिसके चलते अस्सी घाट से नमो घाट तक कई छोटे–बड़े मंदिर जलमग्न हो गए हैं। वहीं सोनभद्र में घाघरा नदी के तेज बहाव से करीब 25 मीटर सड़क बह गई, जिससे कई गांवों का संपर्क प्रभावित हुआ है।

उन्नाव में तेज बारिश और हवा के कारण बड़ा हादसा हुआ। चलती बाइक पर पेड़ गिरने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। हादसे के बाद सड़क पर जाम की स्थिति बन गई।

गोंडा में घाघरा नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर के करीब पहुंच गया है। प्रशासन ने 28 बाढ़ चौकियों को हाईअलर्ट पर रखा है। वहीं अयोध्या में सरयू नदी चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही है, जिससे निचले इलाकों में खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव वाले क्षेत्र के कमजोर पड़ने से पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिकों ने बुधवार को कई जिलों में तेज बारिश की संभावना जताई है। हालांकि अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियां कम होने के आसार हैं और 26 जुलाई से मानसून फिर सक्रिय हो सकता है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

दीक्षांत समारोह में युवाओं को मिला रोजगार सृजन का संदेश

राज्यपाल ने नवाचार और कौशल पर दिया जोर

शिक्षा को उद्योग और शोध से जोड़ें

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ स्थित चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) के 38वें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि युवा केवल नौकरी तलाशने तक सीमित न रहें, बल्कि उद्यमिता, नवाचार और कौशल विकास के माध्यम से रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य और देश का भविष्य उसकी कक्षाओं में तैयार होता है, इसलिए शिक्षा को व्यवहारिक ज्ञान और नवाचार से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत में प्रतिभा और तकनीकी क्षमता की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल युवाओं को सही दिशा और अवसर देने की है। उन्होंने विद्यार्थियों से वैज्ञानिक सोच विकसित करने और अनुसंधान को अपनाने का आह्वान किया।

आनंदीबेन पटेल ने कहा कि केंद्र सरकार आधुनिक कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। 15 हजार माध्यमिक विद्यालयों में चलचित्र निर्माण, दृश्य प्रभाव, गेमिंग और चित्रकथा जैसे क्षेत्रों के प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। वर्ष 2030 तक इन क्षेत्रों में लगभग 20 लाख रोजगार अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे में विद्यार्थियों को भविष्य की मांग के अनुरूप नए कौशल सीखने होंगे। उन्होंने बताया कि शिक्षा को रोजगार और उद्योग से जोड़ने के उद्देश्य से उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ बेहतर रोजगार और उद्यमिता के अवसर मिल सकें। चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए निजी क्षेत्र के सहयोग से आठ क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र स्थापित करने की योजना पर भी काम चल रहा है। राज्यपाल ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम और गगनयान मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि अनुसंधान और विज्ञान ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नवाचार, शोध और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

बैंक धोखाधड़ी मामले में भाजपा नेता पर एफआईआर

1.06 करोड़ लोन घोटाले की जांच शुरू

यूनिक समय, आगरा । आगरा में भाजपा नेता मिश्रीलाल राजपूत समेत तीन लोगों के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ है। आईसीआईसीआई बैंक ने थाना हरीपर्वत में 1.06 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है।

बैंक का आरोप है कि फर्जी दस्तावेजों और सेल डीड के आधार पर लोन लिया गया। आरोपियों ने पहले 78 लाख रुपये का होम लोन और बाद में 15 लाख रुपये का टॉप–अप लोन लिया था। किश्तें जमा नहीं होने पर बकाया राशि ब्याज सहित बढ़कर 1.06 करोड़ रुपये हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है।

राहुल गांधी ने नीट मुद्दे पर सरकार को घेरा

पेपर लीक और छात्रों पर उठाए सवाल

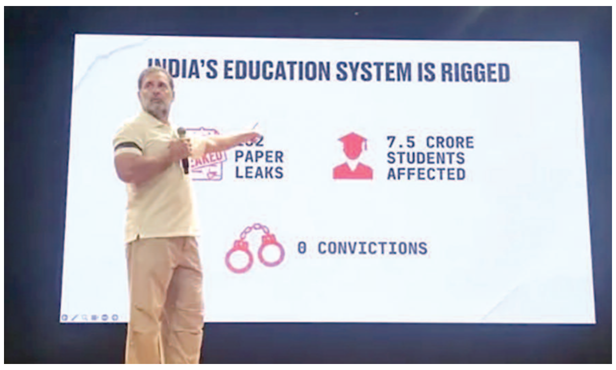

यूनिक समय, नई दिल्ली। नई दिल्ली में कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट परीक्षा, कथित पेपर लीक मामलों और छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने दावा किया कि पिछले दस वर्षों में देशभर में 152 पेपर लीक की घटनाएं हुईं, जिससे लगभग 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार प्रभावित हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन मामलों में अब तक किसी भी दोषी को सजा नहीं मिली।

राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय परिवार नीट परीक्षा की तैयारी पर लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये खर्च करते हैं, जो केंद्र सरकार के शिक्षा बजट के बराबर या उससे अधिक है। उनके अनुसार, लाखों छात्र वर्षों तक कठिन मेहनत करते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाएं उनकी मेहनत और भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

छात्रों की ओर से सरकार के सामने रखीं तीन मांगें

उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

राहुल गांधी ने छात्रों के समर्थन में तीन प्रमुख मांगें दोहराईं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, प्रदर्शनकारी छात्रों पर कार्रवाई के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई और प्रधानमंत्री से छात्रों से माफी मांगने की मांग की।

उनका कहना था कि छात्र शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रख रहे थे, फिर भी उनके साथ बल प्रयोग किया गया, जो उचित नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि संसद में इस मुद्दे पर चर्चा का अवसर नहीं मिलने के कारण विपक्ष ने सड़क पर उतरकर छात्रों का समर्थन किया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उनके साथ भी बल प्रयोग किया और उन्हें हिरासत में लिया गया।

वहीं, केंद्र सरकार पहले ही इन आरोपों को खारिज कर चुकी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राहुल गांधी पर छात्रों के मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष संसद के मानसून सत्र के दौरान राजनीतिक लाभ के लिए छात्रों का इस्तेमाल कर रहा है।

नीट और परीक्षा प्रणाली को लेकर जारी विवाद के बीच शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता, परीक्षाओं की सुरक्षा और छात्रों के भविष्य को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

नीट पेपर लीक और छात्र प्रदर्शनों को लेकर कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए छात्रों की ओर से तीन प्रमुख मांगें रखीं। दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

राहुल गांधी ने पहली मांग के रूप में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की बात कही। दूसरी मांग में प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ कथित मारपीट के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करने की अपील की। वहीं तीसरी मांग के तहत उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से छात्रों से माफी मांगने का आग्रह किया। राहुल गांधी का कहना था कि छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल हो सके।

मांगों पर भरोसा मिला तो अनशन खत्म करूंगा: वांगचुक

नीट पेपर लीक मामले को लेकर अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर कहा है कि यदि उनकी प्रमुख मांगों पर सकारात्मक आश्वासन दिया जाता है, तो वह अपना अनशन समाप्त करने को तैयार हैं। वांगचुक ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि मामले में जवाबदेही तय करने के प्रयासों के तहत केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से स्पष्ट और भरोसेमंद आश्वासन मिलने पर वह अपना आंदोलन समाप्त कर देंगे।

नीट मुद्दे पर अखिलेश और केसी वेणुगोपाल में तीखी नोकझोंक

बोलने के अवसर पर बढ़ा विवाद

लोकसभा में एक दूसरे से ही क्यों भिड़ गए सपा और कांग्रेस नेता

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही के दौरान नीट पेपर लीक मुद्दे पर विपक्षी दलों के बीच उस समय असहज स्थिति बन गई, जब समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल के बीच तीखी बहस हो गई। विवाद की शुरुआत उस समय हुई, जब चर्चा के दौरान बोलने का अवसर पहले भाजपा और कांग्रेस को दिया गया। इस पर अखिलेश यादव ने आपत्ति जताते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से सवाल किया कि क्या दोनों दलों के बीच कोई समझौता हो गया है।

अखिलेश यादव की टिप्पणी पर कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और दोनों नेताओं के बीच कुछ देर तक तीखी नोकझोंक हुई। इसी दौरान सदन में हंगामा बढ़ गया और कार्यवाही स्थगित होने के साथ माइक भी बंद हो गया।

हालांकि बाद में अखिलेश यादव ने विवाद को ज्यादा तूल नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन की पूर्व जानकारी उन्हें नहीं मिली थी, लेकिन बुलाए जाने पर समाजवादी पार्टी ने पूरा सहयोग दिया। उन्होंने भविष्य में विपक्षी दलों के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया। अखिलेश ने यह भी कहा कि सरकार को शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों पर जवाबदेही तय करनी चाहिए और यदि कोई गलती हुई है तो उसे स्वीकार करना चाहिए। विपक्ष ने नीट मुद्दे पर संसद के भीतर और बाहर सरकार को घेरने की रणनीति जारी रखी है।

अमर्यादित टिप्पणी पर कल्याण बनर्जी पूरे सत्र से निलंबित हुए

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कल्याण बनर्जी को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को सदन ने मंजूरी दे दी। यह कार्रवाई महिला सांसदों के प्रति कथित अमर्यादित टिप्पणी और अभद्र भाषा के इस्तेमाल की शिकायतों के बाद की गई।

लोकसभा अध्यक्ष को मिली लिखित शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कल्याण बनर्जी ने महिला सांसदों के प्रति अनुचित भाषा का प्रयोग किया, जिससे सदन की गरिमा प्रभावित हुई। इससे पहले सदन की कार्यवाही स्थगित होने के दौरान उनकी कुछ पूर्व पार्टी सहयोगियों और एनसीपीआई सांसदों के साथ तीखी बहस भी हुई थी।

लोकसभा में कार्रवाई प्रस्ताव हुआ पारित

महिला सांसदों की शिकायत बनी आधार

बाद में संबंधित सांसदों ने इस मामले को लेकर लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर लिखित शिकायत सौंपी। कार्रवाई के बाद अब कल्याण बनर्जी मानसून सत्र की शेष कार्यवाही में भाग नहीं ले सकेंगे। यह कदम संसदीय मर्यादा बनाए रखने और सदन में अनुशासित आचरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

प्रदर्शन हिंसा मामले में दिल्ली हाईकोर्ट का केंद्र को नोटिस

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रदर्शनकारियों पर कथित हिंसा और बल प्रयोग के मामले में केंद्र सरकार तथा दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। अदालत ने मामले से जुड़े सीसीटीवी फुटेज, बॉडी कैम रिकॉर्डिंग और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया है, ताकि जांच के दौरान आवश्यक सामग्री उपलब्ध रहे। सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र सरकार की उस दलील पर सवाल उठाया, जिसमें याचिकाओं को प्रचार पाने का प्रयास बताया गया था। कोर्ट ने पूछा कि जब बड़ी संख्या में लोग प्रभावित होने का दावा कर रहे हैं, तो प्रत्येक व्यक्ति से अलग–अलग एफआईआर दर्ज कराने की अपेक्षा कैसे की जा सकती है। यह मामला 20 जुलाई को जंतर–मंतर और संसद मार्ग क्षेत्र में हुए प्रदर्शन के दौरान कथित लाठीचार्ज और हिंसा से जुड़ा है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर निर्धारित की है। तब तक केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को अपना पक्ष अदालत के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।

सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के दिए निर्देश

चार सप्ताह में मांगा विस्तृत जवाब

थाने से 100 मीटर दूर युवक की गोली मारकर हत्या

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने बेखौफ अंदाज में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात थाना परिसर से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित मोतीपुर ओवरब्रिज के पास हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार देर रात दो से तीन बजे के बीच कई राउंड फायरिंग की आवाज सुनाई दी। सुबह राहगीरों ने युवक का शव खून से लथपथ हालत में देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर ग्रामीण एसपी, एफएसएल टीम और पुलिस बल पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल से खोखे बरामद कर शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है और उसकी शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा हत्या के कारणों और आरोपियों की तलाश में जुटी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस गश्त पर सवाल उठाए हैं, जबकि अधिकारियों ने जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी का भरोसा दिया है।

मोतीपुर थाना क्षेत्र में फैली दहशत, जांच जारी

सीसीटीवी फुटेज और एफएसएल टीम सक्रिय जांच

सरकारी कागजों में मरा, डीएम के सामने निकला जिंदा

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के गजपति जिले में प्रशासनिक लापरवाही का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आर. उदयगिरि ब्लॉक के रनलाई गांव निवासी 46 वर्षीय जखरिया पाल को सरकारी रिकॉर्ड में गलती से मृत घोषित कर दिया गया। इसका पता तब चला, जब वह सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन लेने पहुंचे। ऑनलाइन आधार सत्यापन के दौरान उनका आधार नंबर निष्क्रिय मिला और उन्हें मृत दिखाया गया, जिसके कारण राशन देने से इनकार कर दिया गया।

रिकॉर्ड की गलती से रुके सभी लाभ

डीएम ने मानी चूक सुधार के निर्देश

आधार निष्क्रिय होने के कारण जखरिया पाल न केवल राशन से वंचित हो गए, बल्कि आधार आधारित अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी बंद हो गया। जबकि उनके पास वैध आधार कार्ड मौजूद था।

मामला सामने आने पर गजपति के जिलाधिकारी अक्षय सुनील अग्रवाल ने स्वीकार किया कि यह पूरी तरह प्रशासनिक गलती थी। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने गलती से जखरिया पाल का आधार निष्क्रिय कर दिया, जबकि उनके दिवंगत भाई का आधार नंबर निष्क्रिय किया जाना था।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को रिकॉर्ड में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए हैं। भुवनेश्वर स्थित संबंधित विभाग को भी आधार रिकॉर्ड अपडेट करने के लिए कहा गया है, ताकि जखरिया पाल का आधार स्टेटस बहाल हो सके। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही उनका राशन और अन्य सभी सरकारी योजनाओं का लाभ फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

यह घटना सरकारी रिकॉर्ड में छोटी–सी चूक के बड़े असर को उजागर करती है, जहां एक जीवित व्यक्ति को कागजों में मृत घोषित किए जाने से उसकी बुनियादी सुविधाएं तक प्रभावित हो गईं।

अनंतनाग आतंकी हमले में अमरनाथ ड्यूटी पर तैनात जवान शहीद हुआ

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग जिले के लाल चौक क्षेत्र में बुधवार को आतंकियों ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। अचानक हुई फायरिंग में हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हमले के बाद आतंकी मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया। सभी प्रमुख मार्गों पर नाकेबंदी कर वाहनों और लोगों की सघन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां हमलावरों की तलाश में जुटी हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। अमरनाथ यात्रा के दौरान हुए इस हमले के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है।

अचानक फायरिंग में हेड कॉन्स्टेबल की मौत

घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन तेज किया

मुड़िया मेले की सुरक्षा को किए गए हैं अचूक सुरक्षा प्रबंध

परिक्रमा मार्ग में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने को लगा सीसी कैमरा।

यूनिक समय,मथुरा। मुड़िया मेला की सुरक्षा के लिए क्षेत्र को नौ सुपर जोन, 21 जोन और 62 सेक्टरों में बांटा गया है। इसी हिसाब से सुरक्षा का खाका खींचा गया है। सुपर जोन और सेक्टरों में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी तैनात रहेंगे। मेला क्षेत्र पर नजर रखने के लिए 183 सीसी टीवी कैमरे, 31 वाच टावर लगाए गए हैं। 350 पब्लिक एड्रेस सिस्टम, छह स्थाई चौकियों के अलावा 37 अस्थाई चौकियां बनाई गई हैं। पीएसी की कंपनियों के अलावा बड़ी संख्या में दूसरे जनपदों से मांगा गया फोर्स तैनात किया गया है। एलआईयू की टीम और सर्विलांस टीम और फायर ब्रिगेड को भी लगाया गया है। बाहरी जनपदों से ड्यूटी पर लगाए गए पुलिसकर्मी बुधवार से गोवर्धन थाने में आमद कराते दिखे।

गोवर्धन मेले का निरीक्षण करते जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ अधीक्षक श्लोक कुमार साथ में एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत एवं पुलिस अधिकारी।

दानघाटी मंदिर के पास से बड़ी परिक्रमा के दौरान दंडवती परिक्रमा लगाते श्रद्धालु।

परिक्रमा मार्ग के राजस्थान वाले हिस्से में सरकार के प्रचार को लाइट वाला होर्डिंग्स लगाते मजदूर।

मुड़िया पूर्णिमा मेले में जीआरपी का सुरक्षा घेरा मजबूत, 400 अतिरिक्त जवान तैनात

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए जीआरपी ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। जीआरपी अधिकारियों ने बताया कि मेले के लिए विभिन्न जिलों से करीब 400 पुलिसकर्मियों को बुलाया गया है। इसके अलावा एक इंस्पेक्टर, 45 उपनिरीक्षक (एसआई) और 300 से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। मथुरा जंक्शन, गोवर्धन और वृंदावन रेलवे स्टेशनों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

आरपीएफ अलर्ट, 350 जवान संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया मेले के दौरान रेलवे परिसरों की सुरक्षा के लिए रेलवे सुरक्षा बल ने तैयारियां कर ली हैं। संवेदनशील स्टेशनों पर अतिरिक्त बल तैनात रहेगा। आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार, मेले के दौरान दो सहायक कमांडेंट, पांच इंस्पेक्टर, 35 उपनिरीक्षक (एसआई) और करीब 350 जवान सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। मथुरा जंक्शन, गोवर्धन और वृंदावन रेलवे स्टेशनों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। यात्रियों की सुरक्षा, प्लेटफॉर्म पर भीड़ नियंत्रण और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए लगातार गश्त की जाएगी।

गुरु पूर्णिमा मेले से पहले सड़क किनारे खड़े ट्रोलों से बढ़ी चिंता

यूनिक समय, गोवर्धन। गुरु पूर्णिमा मेले से पहले गोवर्धन–बरसाना मुख्य मार्ग पर नीमगांव रेलवे स्टेशन के निकट सड़क किनारे खड़े ईंटों से लदे ट्रोलों ने यातायात और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बाहरी क्षेत्रों से ईंट लेकर आने वाले ट्रोला चालक सड़क के किनारे ही वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे मार्ग संकरा हो जाता है। बारिश के कारण कई ट्रोले कच्चे मैदान में खड़े हैं और अधिक वर्षा होने पर स्थिति और गंभीर हो सकती है।

श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बीच सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों से जाम और दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है। नागरिकों ने प्रशासन से मेले के दौरान ट्रोलों को हटाकर सुचारु यातायात और सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

समूचे परिक्रमा मार्ग में सेवा की तैयारी होती दिखी। श्रद्धालुओं को भंडारा बांटने के लिए सजाया जा रहा पंडाल।

मेले की सुरक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क, तैयारियों की समीक्षा

बैठक में मौजूद एडीजी पदमजा चौहान, एसएसपी श्लोक कुमार आदि।

यूनिक समय, गोवर्धन। कल से शुरू होने वाले मुड़िया मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए गोवर्धन स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अग्निशमन -आपात सेवाएं पद्मजा चौहान की मौजूदगी में मेले की सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और अग्निशमन व्यवस्था की समीक्षा की गई। अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त संख्या में फायर ब्रिगेड वाहनों और आपातकालीन राहत दलों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि मेले के दौरान अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से की जाएगी।

गोवर्धन रेलवे स्टेशन पर अवैध ई-रिक्शाओं से श्रद्धालु परेशान

स्टेशन गेट के चारों ओर खड़े ई-रिक्शा।

यूनिक समय, गोवर्धन। गुरु पूर्णिमा मेले के शुरू होते ही रेलवे स्टेशन पर अवैध ई-रिक्शाओं और बाइक चालकों की भीड़ से श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्टेशन के मुख्य द्वार पर बड़ी संख्या में ई-रिक्शा और दोपहिया वाहन खड़े रहने से यात्रियों के आवागमन में बाधा हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई चालक बिना निर्धारित किराए के मनमानी वसूली कर श्रद्धालुओं को परिक्रमा मार्ग और गोवर्धन अड्डे तक ले जाते हैं।

स्टेशन मास्टर संजीव मीणा ने बताया कि मेले के दौरान रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस की तैनाती के बाद ही इस व्यवस्था को नियंत्रित किया जा सकेगा। उनका कहना है कि अभी कार्रवाई करने पर कई चालक विवाद पर उतारू हो जाते हैं।

पूछरी के लौठा के समीप खुले में रखे ट्रांसफार्मर के चारों ओर सुरक्षा कवच तैयार करते बिजली कर्मी।

परिक्रमा मार्ग का सीडीओ ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश

सफाई व्यवस्था, कर्मचारियों की उपस्थिति और बेसहारा गोवंश पकड़ने पर दिया जोर

गोवर्धन परिक्रमा मार्ग की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करतीं सीडीओ डॉ.पूजा गुप्ता।

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया मेले और गोवर्धन परिक्रमा को लेकर प्रशासन सतर्क है। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने बुधवार को गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था, कर्मचारियों की उपस्थिति और विभिन्न विभागों द्वारा कराए जा रहे कार्यों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। सीडीओ ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से कहा कि परिक्रमा मार्ग और उसके आसपास कोई भी बेसहारा गोवंश नहीं दिखना चाहिए। निरीक्षण के दौरान डीपीआरओ धनंजय जायसवाल, बीडीओ गिरीश पंत आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

गुरुवार से मुड़िया परिक्रमा शुरू होगी, बुधवार को नगर पंचायत डिवाइडर सही कराने को जुटी रही।